RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 94 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 16 जनवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

रात को लोगों से लूट पाट कर रहे थे एमपी के बदमाश, ग्रामीणों ने पीटकर किया पुलिस के हवाले

कोरबा। मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ पहुंचकर लूटपाट कर रहे तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल तीनों बदमाश रविवार रात को कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र में लोगों को रोक-रोककर लूटपाट कर रहे थे। इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगी तो वे सभी मौके पर पहुंच गए और बदमाशों को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के हैं।

जानकारी के अनुसार पाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेलसरा गांव में तीन बदमाश रविवार रात को लोगों से लूटपाट कर रहे थे। कई लोगों को रोकर इन बदमाशों ने लूटपाट की। किसी के रुपए लूट लिए तो किसी के गहनें। पीड़ितों ने इसकी जानकारी गांव पहुंचकर गांववालों को दी। इसके बाद ग्रामीण एक साथ मौके पर पहुंचे तीनों बदमाशों को पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपियों ने पुलिस के सामने सच उगल दिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से गहने व जेवर जब्त किए हैं। तीनों बदमाश शहडोल से बाइक पर लूटपाट के इरादे से ही आए थे।

श्योपुर में तीन ग्रामीणों का अपहरणः जंगल में मारपीट कर अपने साथ ले गए बदमाश

श्योपुर। जिले के जंगल में मवेशी चराने के लिए गए तीन चरवाहों का अपहरण कर लिया। बदमाशों ने उन्हें छोड़ने के बदले में चार-चार लाख रुपए की फिरौती मांगी है। विजयपुर सहित आसपास के 4 थानों की पुलिस जंगल में बदमाशों की तलाश करने के लिए उतर गई है लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल पाया है।

इन लोगों का अपहरण विजयपुर थाना इलाके के धनकर गांव के पास जंगल से हुआ है। वारदात में शामिल 8 बदमाशों ने हथियारों के दम पर सात लोगों का अपहरण किया था। इनमें से चार को छोड़ दिया। इन लोगों ने गांव पहुंचकर अपहरण की सूचना दी। सोमवार को एडीजी चंबल राजेश चावला और एसपी आलोक कुमार सिंह जी विजयपुर पहुंचे। उन्होंने पुलिस अफसरों से सर्चिंग अभियान की जानकारी लेकर ग्रामीणों से चर्चा की।

छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी से अब पर्यटकों को मिलेगा प्रकृति का प्यार

■ गौरव गौर-लाटा को पर्यटन स्थल बनाने की मुख्यमंत्री ने की है घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उत्तरी छोर पर स्थित सबसे ऊंची चोटी गौरलाटा पर्यटन के लिहाज से अविश्वसनीय स्थान है। स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा यहां लगातार प्रयास किया जा रहा था। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर श्री विजय दयाराम गौर-लाटा के स्थानीय निवासियों को रोजगार के नए संसाधनों के अवसर उपलब्ध कराने के लिए नई कार्ययोजना भी तैयार कर रहे थे। अब इन सभी बातों को तेजी से गति मिलेगी क्यूंकि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गौर-लाटा के महत्व को देखते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित करने की घोषणा की है।

1225 मीटर ऊंची गौर-लाटा छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी है और भौगोलिक संरचना के अनुसार पाट प्रदेश से संबंधित है। इस चोटी से छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा पर स्थित बड़े वन क्षेत्र की अद्भुत खूबसूरती नजर आती है। इस पहाड़ी

पर कई गुफाएं और प्राकृतिक जलस्रोत भी हैं। फिलहाल ये स्थान स्थानीय लोगों के पर्यटन के लिए पहली पसंद है, लेकिन अब पर्यटन स्थल क्षेत्र घोषित होने से यह क्षेत्र बेहतर रूप में ऊभर कर सामने आएगा।

स्थानीय पर्वतारोहियों की पसंदीदा चोटी है गौर-लाटा

जिले के सामरी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी गौर-लाटा की पहाड़ी फिलहाल स्थानीय पर्वतारोहियों की पसंदीदा जगह है और ट्रेकिंग के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां अक्सर प्रशासनिक टीम और स्थानीय ग्रुप्स क्षेत्र को विकसित करने का संदेश लेकर गौर-लाटा की चढ़ाई करते हैं। हालांकि कठिन रास्तों के कारण पर्यटकों की अभी भी यहां से दूरी बनी हुई है। इस कठिनाई को आसान बनाने के लिए बलरामपुर जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पहले से ही प्रयास किया जाता रहा है और अब मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद गौर-लाटा को बलरामपुर के गौरव के रूप में विकसित हो सकेगा जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलने के साथ ही पर्यटको को भी प्रकृति का प्यार मिल सकेगा।

नेशनल हाइवे पर सुपेला फ्लाईओवर के नीचे डेवलप होगा पार्किंग स्पेस

कलेक्टर के निर्देश पर निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण, एनएच के अफसर भी पहुंचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेशनल हाइवे पर सुपेला में बन रहे फ्लाईओवर के नीचे पार्किंग स्पेश डेवलप किया जाएगा। सोमवार को नगर निगम भिलाई के आयुक्त रोहित व्यास एनएचएआई के अफसरों के साथ सुपेला घड़ी चौक पर फ्लाईओवर के नीचे स्थल का निरीक्षण पहुंचे। यहां पर पार्किंग व्यवस्था किस प्रकार डेवलप की जा सकती है इसकी चर्चा एनएच के अफसरों के साथ हुई। साथ ही प्लानिंग भी बताई गई। इस दौरान एनएच के अफसरों ने सभी तकनीकी पहलुओं को भी देखा और इस पर जल्द प्लानिंग करने का भरोसा दिलाया।

बता दें फ्लाईओवर के नीचे पार्किंग स्पेस डिवेलप करने के निर्देश दुर्ग कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने दिए थे। दरअसल यहां के व्यापारियों की मांग थी कि बाजार में आने वाले ग्राहकों के लिए पार्किंग स्पेस मिले। मौजूदा समय में

बाजार में जगह की कमी के कारण पार्किंग स्पेश नहीं मिल पा रहा है। जिससे कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों की समस्या को देखते हुए कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने कुछ दिन पहले स्थल निरीक्षण कर यहां पर पार्किंग स्पेस डेवेलप करने का निर्देश दिया था। इसी कड़ी में आज नगर निगम भिलाई का आयुक्त रोहित व्यास ने एनएच के अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण कर इस पर जल्द कार्यवाही शुरू करने का निर्देश अफसरों को दिया।

संडे बाजार के कारण होती है

सुपेला के आकाशगंगा वा उत्तर गंगोत्री बाजार में संडे मार्केट के कारण काफी भीड़ होती है। इस वजह से आने जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बाजार में पहुंचे ग्राहक जहां जहां वाहन खड़ी करते हैं जिसके कारण 40 फीट की सड़क भी 10 फीट की रह जाती है। यदि मार्केट से हटकर पार्किंग स्पेस डेवेलप हो जाए तो यहां की समस्या सुलझ सकती है। इसी को देखते हुए यहां के व्यापारियों ने कलेक्टर से मिलकर मांग रखी थी।

10 दिन में तैयार होगा सर्विस रोड

पार्किंग स्पेस के स्थल निरीक्षण पर पहुंचे रोहित व्यास ने बताया कि फ्लाईओवर का काम लगभग पूर्ण हो चुका है। जल्द ही इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। वही इससे लगे सर्विस रोड का काम भी 10 दिन के भीतर कर लिया जाएगा। इस संबंध में एनएच के अफसरों से सार्थक चर्चा हुई है और उन्होंने 10 दिनों के भीतर सड़क को दुरुस्त करने का दावा किया है।

किसान बना तेंदुए का शिकार, खेत में काम करते समय किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में तेंदुए ने एक किसान की जान ले ली। खेत में काम कर रहे अधेड़ किसान पर तेंदुए ने हमला किया और गर्दन दबोचकर उसे मार डाला। मामला जिले के जनकपुर इलाके का है जहां एक महीने के अंदर तेंदुए के हमले की यह तीसरी घटना है। इससे पहले 3 जनवरी व 24 दिसंबर को भी तेंदुए के हमले से अलग अलग गांव में दो की मौत हो गई थी। घटना के वन विभाग की टीम तेंदुए का लोकेशन सर्च करने में लगा हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार शाम को जनकपुर निवासी रनबदन अपने खेत में काम कर रहा था। वह खेत में अपने फसल की रखवाली करने पहुंचा था। इस दौरान अचानक वहां एक तेंदुआ पहुंच गया और उस पर हमला कर दिया। इस समय खेत के आसपास कोई नहीं था। तेंदुए ने रामबदन के गर्दन को दबोचकर उसकी जान ले ली थी। कुछ घंटों बाद ग्रामीण खेत के पास पहुंचे तो उन्हें रामबदन का शव मिला। इसक बाद इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की

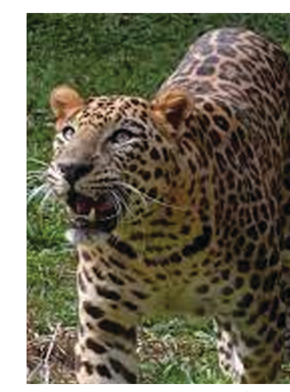

टीम ने शव को पीएम के लिए भेजा।

लगातार हमलों के बाद भी वनविभाग को नहीं मिल रहा तेंदुआ

जिले में तेंदुआ लगातार ग्रामीणों को अपना शिकार बना रहा है। वन विभाग द्वारा तेंदुए को सर्च करने के लिए जंगल कई जगह कैमरे लगाए लेकिन उसे ट्रेस नहीं किया जा सका है। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगवाए हैं लेकिन वह पकड़ में नहीं आ रहा है। पिछले दिनों जंगल पहुंची विशेषज्ञों की टीम ने तेंदुए को लेकर कहा था कि वह आदमखोर नहीं है। इसके बाद भी तेंदुआ कभी भी गांव पहुंच जाता है और लोगों पर हमला कर भाग जाता है।

50 हजार रुपए में अग्निवीर बनाने का दावा कर रहा था सेना का जवान, गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। अग्निवीर भर्ती के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। खुद को सेना का जवान बताने वाला शख्स 50 हजार रुपए में अग्नवीर भर्ती बनाने का दावा कर रहा था। शख्स यहां अग्निवीर भर्ती परीक्षा देने आए युवकों को चूना लगाने की कोशिश कर रहा था। 50 हजार रुपए में परीक्षा पास कराने का दावा कर रहा था। इस मामले में शिकायत हुई तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। शख्स सेना की वर्दी पहने हुए था और उसके पास नकली आईडी कार्ड भी बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि शख्स का नाम मयंक विमल है। शख्स को देखकर कोई यह नहीं कह सकता कि सच में सेना का जवान है या नहीं। मयंक विमल परीक्षा में अभ्यार्थियों से ठगी करने के इरादे से वर्दी पहनकर एकलव्य स्टेडियम पहुंचा था। मयंक विमल परीक्षा केंद्र के आसपास मौजूद लोगों को परीक्षा में पास कराने का झांसा दे रहा था। अभ्यार्थियों से वह पचास हजार रुपए में परीक्षा पास करने व डायरेक्ट भर्ती कराने का दावा कर रहा था। पुलिस फिलहाल उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी ये सारा सामान कहां से लाया। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि ठगी के इरादे से ही उसने सेना की वर्दी का सहारा लिया।

इस बार केन्द्रीय बजट में मिडिल क्लास के लिए होगा बहुत कुछ

■ केन्द्रीय बजट से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का बड़ा बयान

नईदिल्ली (एजेंसी)। एक फरवरी को मोदी सरकार का आखिरी पूर्ण बजट पेश होना है। निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में 2023-24 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसे में इस बार के बजट को लेकर लोगों को काफी उम्मीदें भी हैं। चुनावी वर्ष होने के कारण केन्द्र सरकार से अपेक्षा की जा रही है कि आम आदमी को राहत मिले। केन्द्रीय बजट के पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान आया है। उन्होंने इस बार के बजट में मिडिल क्लास के लिए खास योजना बनाने की बात कही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि

वह मिडिल क्लास के दबाव से वाकिफ हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा सरकार ने उन पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। इस बार के बजट से उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार आयकर सीमा बढ़ाएगी और मध्यम वर्ग के टैक्सपेयर्स के अलावा अन्य को राहत देगी। निर्मला सीतारमण का ये पांचवां बजट होगा। एक समारोह में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- 'मैं भी मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखती हूं, इसलिए मैं मध्यम वर्ग के दबावों को समझ सकती हूं। मैं खुद को मध्यम वर्ग से पहचानती हूं, इसलिए मैं जानती हूं।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि मौजूदा सरकार ने मिडिल क्लास पर कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि 5 लाख रुपए तक की आय आयकर से मुक्त है। वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार मिडिल क्लास के लिए और अधिक कर सकती है। क्योंकि इसकी आबादी बढ़ रही है और अब यह वर्ग काफी बड़ा हो गया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं उनकी समस्याओं को भलीभांति समझती हूं। सरकार ने उनके लिए बहुत कुछ किया है और वह ऐसा करना जारी रखेगी।

चुनावी मौसम और झूठ का समन्दर

श्रीकंचनपथ

झूठ बोले कौआ काटे, काले कौवे से डरियो, काश यह गाना आम आदमी गा पाता। बचपन में उसे मारपीट कर सिखाया गया था कि झूठ नहीं बोलना चाहिए। आज भी लाइफ स्टाइल कोच कहते हैं कि झूठ बोलने पर स्ट्रेस होता है, एक झूठ पर पर्दा डालने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं और झूठ फिर भी पकड़ा जाता है। पर यही झूठ किसी-किसी पेशे का सबसे बड़ा हथियार होता है। झूठ बोलने की क्लास लगती हैं। झूठ बोलने से पहले स्वयं उस पर यकीन कर लें तो झूठ बोलते समय गजब का कांफिडेंस आ जाता है। लोग आप पर यकीन कर लेते हैं। सड़क किनारे फुटपाथ पर सांडे का तेल बेचने वाले का कांफिडेंस देखा है? यही सबकुछ हुआ राज्य में चुनाव की तैयारी कर रही भाजपा के साथ। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने भूपेश सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सोनिया गांधी के इशारे पर छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया है। उसे पता है कि ईसाई मिशनरियों को लेकर जनमानस बंटा हुआ है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को लेकर भी लगभग यही स्थिति ह। इसलिए आरोप लगाना आसान था। पर वह भूल गई थी कि जब एक उंगली किसी पर उठाते हो तो तीन उंगलियां स्वयमेव आप की तरफ उठती हैं। भूपेश सरकार की तरफसे इस वक्तव्य का कड़ा विरोध किया गया. सरकार ने तीन नहीं बल्कि नौ उंगलियां भाजपा की तरफमोड़ दीं। डॉ रमन सिंह की पिछली सरकार ने राज्य में नौ बार रासुका लगाने का नोटिफिकेशन जारी किया था। ये सभी नोटिफिकेशन 2013 से 2018 के बीच रमन सिंह सरकार ने जारी किये थे। कांग्रेस ने पूछा है कि क्या रासुका राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के इशारे पर लगाया गया था? साथ ही उसने नसीहत दी है कि यह केन्द्रीय कानून है जिसे केन्द्र चाहे तो खत्म कर दे। वैसे भी उतावली भाजपा रिस्क ले रही है। दंगे, चाहे वह किसी भी सूरत में हों, स्वीकार नहीं किये जा सकते। हम यह भी जानते हैं कि दंगे स्वयमेव नहीं भड़कते बल्कि भड़काए जाते हैं। दंगा मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है। वैसे भी आदिवासी इलाकों में धर्मांतरण का मुद्दा उछाला ही इसलिए जाता है कि आदिवासियों की समस्याओं का हमारे पास कोई हल नहीं। आदिवासी गांवों की समस्या उनकी भूख, गरीबी और नाउम्मीदी है। इन समस्याओं के खिलाफ हम उनके साथ खड़े नहीं हो पाए, यह हमारी कमजोरी है। गरीबी ईमान-धर्म भुला देती है। आदिवासी का विश्वास हिला तो ईसाई मिशनरियों ने उनकी तरफ हाथ बढ़ा दिया। उन्हें सहारा दिया। उनके साथ खड़े हो गए। लोगों ने प्रार्थना सभा जाना शुरू कर दिया। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि हम सभी आयुर्वेद के फैन हैं। हमें घरेलू इलाज और हर्बल का चस्का भी है. पर ये सभी सुख के साथी हैं। जब कष्ट बढ़ता है तो हम अंग्रेजी दवा वाले अस्पतालों की तरफ भी हमीं भागते हैं।

संपादकीय

रोबोट वकील के चर्चे

रोबोट या रोबो शब्द सबसे पहले 1921 में एक चेक नाटक 'आर यू आर' में इस्तेमाल हुआ था। वह सपना अभी संपूर्णता में साकार नहीं हुआ है। वैसे मशीनें तो खूब हैं, जो हमारे काम में मदद करती हैं, पर रोबोट अभी भी बहुत सफल नहीं हैं। खैर, इधर एक चर्चा तेज हुई है कि अगले महीने एक रोबोट को अदालत में मुकदमा लड़ते, बहस करते, सलाह देते देखा जाएगा। आखिर मामला क्या है? यह तथ्य सबके सामने है, चैटजीपीटी की क्रांति की ओर बहुत उम्मीद से देखा जा रहा है और उसी की अगली कड़ी है यह रोबोट या तकनीक। स्टार्टअप डुनॉटपे ने दुनिया का पहला रोबोट वकील पेश करने का दावा किया है। खबर तो यहां तक है कि रोबोट ने सलाह देने का काम शुरू कर दिया है। अमेरिका में कुछ छोटी-मोटी सेवाओं में इस तकनीक का प्रयोग सफलता के साथ हो रहा है।

> “ अभी अमेरिका में वकीलों को इस तकनीक पर विश्वास नहीं है, अत उन्हें गलती होने पर कंपनी द्वारा भुगतान का आश्वासन दिया गया है। जजों को भी सहजता व सब्र से इस तकनीक का प्रयोग देखना चाहिए। न्याय के क्षेत्र में अत्याधुनिक होती तकनीक के समावेश को ज्यादा समय तक टाला नहीं जा सकता। सदियों से एक ही ढर्रे पर चल रहे विधि क्षेत्र में बड़े बदलावों के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। यह आगे राह में नजर आने वाली त्रुटियों में सुधार करते चलने का समय है।

रोबोट वकील तैयार करने वाली कंपनी के सीईओ और संस्थापक जोशुआ ब्राउडर ने अमेरिकी समाचार पत्र यूएसए टुडे को बताया है कि यह एआई के एकदम सही उपयोग का मामला है। मतलब, रोबोट में पूरे कानून व मुकदमे दर्ज हैं और उसके पास कानून की भाषा भी है, यह जरूरत पड़ने पर जवाब देने की क्षमता रखता है। अलेक्सा, गूगल असिस्टेंट को भी हमने जवाब देते देखा ही है। न्यू साइंटिस्ट में पहली बार आई इससे संबंधित रिपोर्ट के अनुसार, जब कोई वकील अदालत में बहस करेगा, तब उसके कान में ब्लूटूथ से जुड़ा ईयरपीस लगा होगा, जिस पर आवश्यकता के अनुसार सलाह धीमी आवाज में मिलती रहेगी। जाहिर है, इससे वकीलों की हाजिरजवाबी बढ़ जाएगी। बार-बार कानून की मोटी पुस्तकें खोलने, उद्धरण देखने की जरूरत नहीं रहेगी। एक संभावना यह है कि रोबोट वकील के सहयोग से जल्दी सुनवाई संपन्न हो सकेगी। ब्राउडर साफबताते हैं कि यह पहली बार होगा, जब अदालत में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। हो सकता है, शुरू में वकील और बार एसोसिएशन की ओर से विरोध का सामना करने पड़े, लेकिन इस प्रयोग के आगे बढ़ने से धीरे-धीरे अदालत में बदलाव की शुरुआत होगी, एआई के प्रति स्वीकार भाव बढ़ेगा।

सबसे बड़ा बदलाव यह होगा कि आम गरीबों को बड़ी सुविधा हो जाएगी। अमेरिका की अगर बात करें, तो 80 प्रतिशत लोग कानूनी सलाह नहीं ले पाते हैं, भारत में तो यह संख्या और भी ज्यादा होगी। मुकदमा लड़ना और वकीलों का भुगतान करना सबके लिए आसान नहीं है, जिसकी वजह से निर्दोष लोगों को भी सजा से गुजरना पड़ता है। भारत में कानून-व्यवस्था की इस कमी की ओर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सबका ध्यान खींचा था। ब्राउडर बताते हैं कि यह एआई आधारित तकनीक बहुत शक्तिशाली है, आम लोग अपनी मदद के लिए इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। संभव है, इस रोबोट या तकनीक की सेवा सस्ती हो जाए, अगर ऐसा हुआ, तो न्याय को बल मिलेगा। अभी अमेरिका में वकीलों को इस तकनीक पर विश्वास नहीं है, अत उन्हें गलती होने पर कंपनी द्वारा भुगतान का आश्वासन दिया गया है। जजों को भी सहजता व सब्र से इस तकनीक का प्रयोग देखना चाहिए। न्याय के क्षेत्र में अत्याधुनिक होती तकनीक के समावेश को ज्यादा समय तक टाला नहीं जा सकता। सदियों से एक ही ढर्रे पर चल रहे विधि क्षेत्र में बड़े बदलावों के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। यह आगे राह में नजर आने वाली त्रुटियों में सुधार करते चलने का समय है।

केजरीवाल और केसीआर कांग्रेस को पसंद नहीं

कांग्रेस पार्टी ने कमाल किया है। भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने के लिए उसने देश की 21 पार्टियों को न्योता दिया है लेकिन आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र संघ को नहीं बुलाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी 21 पार्टियों के अध्यक्षों को चिट्ठी लिखी है। सोचें, खड़गे को संसदीय कामकाज के दौरान आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति के साथ राजनीकि करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने पिछले शीतकालीन सत्र में दो बार विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई, जिसमें इन दोनों पार्टियों के नेता शामिल हुए। संसद में सरकार को घेरने में इन दोनों पार्टियों ने कांग्रेस के साथ सहयोग किया। लेकिन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी को यात्रा के समापन कार्यक्रम का न्योता इनको नहीं दिया गया है।

इससे पहले भी राहुल गांधी के नेतृत्व में हो रही यात्रा जब दिल्ली पहुंचने वाली थी तब सभी विपक्षी पार्टियों को चिट्ठी लिख कर बुलाया गया था उसमें भी आप नेता अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी नहीं लिखी गई थी। यह अलग बात है कि कोई भी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के बुलावे पर उसकी यात्रा मे शामिल नहीं हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश में जब यात्रा पहुंची तो वहां की विपक्षी पार्टियों को न्योता दिया गया लेकिन उनमें से भी कोई नेता यात्रा में शामिल नहीं हुआ। अब तीसरी बार विपक्षी पार्टियों को न्योता दिया गया है।

कांग्रेस ने कहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने समान विचारधारा वाली पार्टियों को न्योता दिया है। तो सवाल है कि क्या अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति को कांग्रेस समान विचारधारा की पार्टी नहीं मानती है? अगर ये समान विचार वाली पार्टियां नहीं हैं तो संसद में इनके साथ कैसे समन्वय और सहयोग बनता है? एक सवाल यह भी है कि किस आधार पर कांग्रेस इन दोनों को समान विचार वाली पार्टी नहीं मान रही है? केजरीवाल की तरह राहुल गांधी भी मंदिर मंदिर जाते हैं और उनकी तरह मुफ्त में बिजली, पानी की घोषणा कांग्रेस भी करती है। केजरीवाल और केसीआर दोनों की पार्टी भी भाजपा के खिलाफ बोलते और उससे लड़ते हैं। सो, यह विचारधारा का मामला है।

असलियत यह है कि जहां भी कांग्रेस का अपना हित सीधे किसी पार्टी से टकरा रहा है वह पार्टी कांग्रेस को पसंद नहीं है। जहां पार्टी पहले ही अपने हितों का सरेंडर कर चुकी है वहां की पार्टियों के साथ काम करने में कांग्रेस को दिक्कत नहीं है। आम आदमी पार्टी सीधे कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रही है। उसने दिल्ली कांग्रेस के हाथ से छीन ली, गोवा और गुजरात में कांग्रेस को नुकसान किया और इस साल होने वाले चुनाव में राजस्थान सहित कुछ और राज्यों में कांग्रेस को नुकसान कर सकती है। इसलिए वह कांग्रेस को पसंद नहीं है। तेलंगाना का निर्माण कांग्रेस ने कराया था और वह वहां वापसी की उम्मीद कर रही है, जिसके लिए उसको सीधे केसीआर की पार्टी से टकराना है। ऊपर से केसीआर कांग्रेस को छोड़ कर मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सोचें, अगर भाजपा विरोधी गठबंधन बनाने का कांग्रेस का यह पैमाना होगा तो कैसे गठबंधन बनेगा और काम करेगा?

> “ सभी के लिए बिजली, पेयजल, स्वच्छता और आवास प्रदान करने के बड़े प्रोत्साहन के साथ, निःशुल्क खाद्यान्न योजना का यह असाधारण सामाजिक सुरक्षा कवच, सामाजिक संरचना के निचले हिस्से की आबादी के नुकसान को कम करने में सफल रहा। संरचनात्मक सुधारों ने अर्थव्यवस्था को और अधिक कुशल बना दिया है।

एक बजट भारत के लिए

अनिल पद्मनाभन

इस साल का केंद्रीय बजट- भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से लगातार 11वां बजट- असाधारण परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में पेश किया जा रहा है। यह अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले का अंतिम नियमित बजट है, जो ऐसे दौर में पेश किया जा रहा है, जब एक अति-विभाजित दुनिया अभूतपूर्व आर्थिक चुनौती का सामना कर रही है, जिसे जलवायु परिवर्तन ने और भी जटिल बना दिया है।

2020 में कोविड-19 महामारी के आने के बाद से, दुनिया को अभूतपूर्व परिमाण की संभावनाओं वाले विभिन्न संकटों का सामना करना पड़ा है- रूस-यूक्रेन संघर्ष, इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और हाल ही में चीन में कोविड-19 महामारी का तेजी से फैलना।

महामारी, भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक स्तर पर नकदी में कमी और कमोडिटी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के मिले-जुले प्रभाव ने सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका समेत पूरी दुनिया को खतरनाक रूप से मंदी के करीब ला दिया है।

हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए खुशी के कारण मौजूद हैं। 2022-23 में 6.5 से 7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार अपनी अर्थव्यवस्था के साथ, भारत इस गंभीर वैश्विक धारणा को चुनौती देना जारी रखे हुए है। इससे भी अच्छी बात यह है कि वित्त मंत्री के पास इस तथ्य को मानने के पर्याप्त कारण हैं कि यह मुख्य रूप से 2014 में सत्ता में आने के बाद एनडीए द्वारा अपनाई गई नीतिगत कार्ययोजना का परिणाम है।

नयी कार्ययोजना

नौ साल पहले सत्ता में आने के बाद से, एनडीए ने भारतीय अर्थव्यवस्था को केन्द्रबिन्दु बनाने की कोशिश की है। वैश्विक निवेश बैंकों, विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा हाल ही में इन नीतिगत परिवर्तनों की सराहना और पुष्टि भी की गई है।

सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधार- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)- के लागू होने के साथ इसकी शुरुआत हुई, जिसने पहली बार देश को आर्थिक रूप से एकीकृत किया। जीएसटी सिद्धांत, 'एक राष्ट्र, एक टैक्स' ने विभिन्न मतभेदों को नाटकीय रूप से कम करके अर्थव्यवस्था को और अधिक कुशल बना दिया। आश्चर्य की बात नहीं है कि मासिक सकल जीएसटी संग्रह अब औसतन 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है- नवंबर में सरकारी कोष में 1.45 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं।

निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और इसे पुनर्जीवित करने के लिए केंद्र सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स की दरों को मौजूदा 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया। इसके अलावा, सरकार ने 2019 के बाद निगमित कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की निम्न दर निर्धारित की। इस योजना को 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

इसी तरह, 2016 में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के पारित होने से वाणिज्यिक बैंकों के पुराने व अप्राप्य ऋणों को कम करने में मदद मिली। 2021-22 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, वित्तीय लेनदारों ने 30 सितंबर 2021 के अंत तक बैंकों के 7.94 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में से 2.55 लाख करोड़ रुपये की वसूली की। वित्तीय क्षेत्र की इस व्यवस्था ने, जिसमें बैंक बैलेंस शीट का पूंजीकरण भी शामिल था, वाणिज्यिक बैंकों की उधार देने की क्षमता को बहाल किया।

निजीकरण की नीति को औपचारिक रूप देने के बाद, एनडीए ने एक प्रमुख वैचारिक बदलाव भी कियाङ्क इसका सबसे ताजा उदाहरण टाटा समूह को एयर इंडिया की बिक्री है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने की ग्रीनफ़ील्ड अवसंरचना परियोजनाओं के लिए धन अर्जित करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के स्वामित्व वाली निष्क्रिय संपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए कदम उठाये हैं- अंतर्निहित रणनीति, निजी निवेश के लिए धन-अर्जन पर आधारित है।

राजकोषीय विवेक, वित्तीय संसाधनों को खोलना और कर संग्रह में वृद्धि आदि ने वित्त मंत्री को अवसंरचना परियोजनाओं और कोविड-19 राहत पैकेजों को वित्तपोषित करने के लिए साधन प्रदान किए हैं।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन संरचनात्मक सुधारों ने आर्थिक दक्षता में सुधार किया है, वे महामारी के कारण हुई आर्थिक तबाही के खिलाफ स्पष्ट रूप से एक अतिरिक्त उपाय साबित हुए हैं।

डिजिटल जनकल्याण

पिछले एक दशक में आधार, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), कोविन, डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी), खातों को जोड़ना, स्वास्थ्य योजनायें और ऋण को सक्षम करने के लिए ओपन नेटवर्क (ओसीईएन) जैसी डिजिटल जनकल्याण (डीपीजी) योजनाओं की तेजी से शुरुआत से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को अप्रत्याशित बढ़ावा मिला है।

इन डिजिटल जनकल्याण (डीपीजी) योजनाओं को एक ओपन डिजिटल इकोसिस्टम में तैयार किया गया है, जो भुगतान, स्वास्थ्य देखभाल आदि में नवाचार के लिए निजी क्षेत्र को इन डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। इसी के साथ, शुरुआत करने की लागत को बहुत कम करके, इन डीपीजी ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने को गति दी तथा पहचान, कोविड-19 टीकाकरण, भुगतान, ऋण और हाल ही में ई-कॉमर्स तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण किया।

इन सार्वजनिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग केंद्र सरकार द्वारा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को गति देने के लिए भी किया गया है, जिसका मूल्य कुल मिलाकर 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। प्रत्यक्ष लाभ को सीधे तौर पर हस्तांतरित करने से सरकारी कोष की हानि (लीकेज) को रोकने में भी सफलता मिली है तथा 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।

इसके अलावा, ये लाभार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख हितधारक बन गए हैं ङ्क जिसे वे पहले बाहर से देख रहे थे।

महामारी संकट

कोविड-19 महामारी की शुरुआत तथा इसके कारण हुए अर्थव्यवस्था के लॉकडाउन ने न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में जीवन और आजीविका दोनों के लिए भारी संकट पैदा कर दिया। हालांकि अन्य देशों के विपरीत, भारत ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन के विकल्प का चयन नहीं किया।

इसके बजाय, देश ने एक सोची-समझी रणनीति अपनाई, जिसमें शुरुआत में जीवन बचाने पर और फिर धीरे-धीरे आजीविका पर ध्यान केंद्रित किया गया- 80 करोड़ लोगों के लिए निःशुल्क खाद्यान्न योजना शुरू करके कमजोर वर्गों के भौतिक आधार को मजबूती दी गयी। इस योजना को अब दिसंबर 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

सभी के लिए बिजली, पेयजल, स्वच्छता और आवास प्रदान करने के बड़े प्रोत्साहन के साथ, निःशुल्क खाद्यान्न योजना का यह असाधारण सामाजिक सुरक्षा कवच; सामाजिक संरचना के निचले हिस्से की आबादी के नुकसान को कम करने में सफल रहा। संरचनात्मक सुधारों ने अर्थव्यवस्था को और अधिक कुशल बना दिया है। व्यापक प्रभाव का स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ना अभी शेष है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था, खराब ऋणों की अभूतपूर्व वृद्धि से बैंकिंग क्षेत्र को हुई क्षति की भरपाई करने में जुटी थी। इसके अलावा, महामारी के साथ शुरू हुए एक के बाद एक संकटों ने सुधार प्रक्रिया को धीमा कर दिया। हालांकि, अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाले इन संकटों के समाप्त होने के साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर लौटने के लिए तैयार है। यह परिस्थिति, इस साल के बजट के लिए एक स्वस्थ पृष्ठभूमि प्रदान करती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को।

लेखक एक स्वतंत्र पत्रकार हैं जो @capitalcalculus पर ट्वीट करते हैं।

कृत्रिम बुद्धि से जुड़े असली सवाल

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

बात आठ साल पुरानी है। 2015 के जनवरी महीने में दुनिया की एक दर्जन से ज्यादा बड़ी हस्तियों- वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, दार्शनिकों और प्रोफेसरों ने मिलकर एक खुला खत जारी किया। इसमें कहा गया था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), यानी कृत्रिम बुद्धिमता जिस तरह से विकसित हो रही है, वह दुनिया के लिए ही नहीं, मानवता के लिए भी खतरा साबित हो सकती है। उन्होंने इस पर रोक लगाने की मांग की। इस पत्र पर दस्तखत करने वालों में स्टीफन हॉकिंग जैसे वैज्ञानिक और एलन मस्क जैसे उद्योगपति भी शामिल थे। मगर अभी वह साल पूरा भी नहीं बीता था कि एलन मस्क ने पाला बदला और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को विकसित करने के लिए सैन फ्रांसिस्को में बनी एक कंपनी ओपेनएआई के संस्थापक और प्रमुख निवेशक बन गए। यह बात अलग है कि तीन साल के भीतर ही उन्होंने इस कंपनी के निदेशक पद से कुछ मतभेदों के चलते इस्तीफा दे दिया।

अब इसी ओपेनएआई कंपनी ने चैटजीपीटी नाम की व्यवस्था विकसित की है, जिसे लेकर वे तमाम सवाल फिर सामने आ गए हैं, जो आठ साल पहले उस खुले खत में उठाए गए थे। चैटजीपीटी ऐसा बहुत कुछ कर सकता है, जिसे पहले इंसान ही कर सकते थे। वह इंसान की तरह सोचता है, उसी की भाषा में बोलता है, सवालों के जवाब भी उसी की तरह देता है और समस्याओं के समाधान भी वैसे ही बताता है।

कृत्रिम बुद्धिमता की नैतिकता को लेकर बहुत सारे सवाल शुरू से ही उठाए जाते रहे हैं, वे सारे सवाल तो अपनी जगह हैं ही। इस बीच एक नई चिंता भी उठ खड़ी हुई है, वह है इसकी वजह से पैदा होने वाली बेरोजगारी का सवाल। डर है कि चैटजीपीटी जैसी व्यवस्थाएं अगर और विकसित हुईं, तो पढ़े-लिखे लोगों के वैसे रोजगार कम हो जाएंगे, जिन्हें 'ह्वाइट कॉलर जॉब' कहा जाता है। हालांकि, यह कहा जा रहा है कि इससे कई तरह के रोजगार भले ही कम होंगे, लेकिन रोजगार के कई नए अवसर भी पैदा होंगे। ठीक वैसे ही जैसे एक दौर में कंप्यूटर ने किया था। बहुत से लोग जब मान बैठे थे कि इससे रोजगार के अवसर कम होंगे, तो ऐसे अवसर दरअसल बढ़ गए, क्योंकि कंप्यूटर ने उत्पादकता को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को एक विस्तार दे दिया था। तर्क है कि यही काम कृत्रिम बुद्धिमता भी कर सकती है।

मगर कोविड महामारी के बाद की दुनिया में इस तरह के तर्क लोगों को बहुत आश्वस्त नहीं कर पा रहे। खासकर तब, जब महामारी के दौरान बेरोजगार हुए लोगों की एक बहुत बड़ी फौज आज भी अपनी रोजी-रोटी की तलाश में भटक रही है। और, एक बार फिर एआई पर रोक लगाने की मांग उठने लगी है। क्या सचमुच इस पर रोक लग सकती है?

एआई से बहुत पहले जेनेटिक इंजीनियरिंग के मानव पर प्रयोग के खिलाफ बहुत कुछ कहा, सुना और लिखा गया था। वैज्ञानिकों में इसे लेकर एक आम सहमति भी बनती दिखाई दी थी। फिर भी इसे रोका नहीं जा सका। विज्ञान और तकनीक की छोटी-बड़ी लहरों को इस तरह रोकना संभव भी नहीं होता। सभी को लगता है कि अगर उसने तकनीक विकसित नहीं की, तो कोई दूसरा इसका फायदा उठा लेगा। नतीजा यह होता है कि सभी उसे विकसित करने में जुट जाते हैं। एलन मस्क जैसे वे लोग भी, जो शुरू में उसके विरोधी होते हैं। वैसे भी ज्ञान किसी भी तरह का हो, उसके विकास को रोकना खतरनाक भी हो सकता है और प्रतिगामी भी।

समस्या वैसे पूरी तरह से विज्ञान और तकनीक की है भी नहीं। समस्या उस सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था की है, जो हमने बना ली है। लंबे दौर तक दुनिया को आश्वासन देने वाला एक आर्थिक सिद्धांत था, जिसे 'ट्रिकल डाउन थ्योरी' कहा जाता था। यह सिद्धांत कहता था कि जब विकास तेजी से होगा, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ेगा, तो उसके फायदे छन-छनकर नीचे सभी लोगों तक पहुंचेंगे ही। सूरज जब बीच आसमान पर चमकेगा, तब उसकी रोशनी हर कोने तक पहुंच जाएगी। मगर पिछली एक सदी के अनुभव ने यह बता दिया है कि दुनिया के बहुत से अंधेरे कोने अभी तक रोशनी की बाट जोह रहे हैं; जबकि इस बीच तरक्की भी खूब हुई है और जीडीपी में वृद्धि भी काफी तेजी से हुई है।

इसे हम अपने देश में ज्यादा अच्छी तरह से देख सकते हैं। उदारीकरण के बाद से अब तक हमने विकास का एक लंबा दौर देख लिया है। इस विकास के लिए एक और शब्दावली का प्रयोग किया जाता है- जॉबलेस ग्रोथ, यानी विकास का ऐसा दौर, जिसमें जीडीपी के आंकड़े तो बहुत तेजी से बुलंद हुए, लेकिन उस अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बढ़े।

सिर्फ इतना ही नहीं हुआ। तकनीक के कारण बढ़ी उत्पादकता और विकास दर से आई समृद्धि चंद लोगों के हाथ ही सिमटी रही है। समृद्धि का यह हिमपात सिर्फ ऊंची चोटियों तक सीमित रहा, नीचे तलहटी तक इसकी सर्द सिहरन और कंपकंपी ही पहुंची। धन का यह केंद्रीकरण उस दौर में कुछ ज्यादा ही बढ़ा है, जिसे हम साइबर युग कहते हैं। इस दौर में गरीबी भले ही कई जगहों पर घटी हो, लेकिन विषमता बढ़ी है।

यही कारण है कि एआई की पदचाप बहुत से लोगों में खौफपैदा करती है। लोग ऐसे दौर की कल्पना करते हैं, जब ज्यादातर जगहों पर सिर्फ मशीनें काम करेंगी और ज्यादातर लोग सिर्फ बेरोजगार होंगे। बेशक, यह सिर्फ एक खौफनाक यूटोपिया है और शायद ऐसा होगा भी नहीं, लेकिन हमारे पास जो वर्तमान है, और जो भविष्य दिख रहा है, उसमें इसके विरुद्ध खड़ा कोई ठोस आश्वासन भी तो नहीं है। यह आशंका तब और डराती है, जब कुछ अर्थशास्त्री 'यूनिवर्सल बेसिक इनकम' की बात करते हैं। इसका अर्थ यह है कि अगर हालात बिगड़ते हैं, तो सभी लोगों को सरकार की तरफ से एक निश्चित रकम या आमदनी दी जा सकती है, ताकि उनका गुजारा चल जाए। क्या अंतिम आदमी तक खुशहाली पहुंचाने के सपने से अब अर्थशास्त्र ने भी नमस्कार कर लिया है? विषमता दूर करने और अंतिम आदमी तक खुशहाली पहुंचाने के नए रोडमैप की जितनी जरूरत हमें आज है, उतनी पहले कभी नहीं थी। क्या इसकी तलाश का काम भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के हवाले ही करना पड़ेगा?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बेतरतीब बोझ से सब्र गंवाते पहाड़ों की पुकार सुनिए

हेमंत ध्यानी, सदस्य गंगा आह्वान

भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने की कड़ी में आदि शंकराचार्य ने उत्तर में आठवीं सदी में इस धरा पर आकर अपनी साधना व तपस्या से ज्योतिर्मठ की स्थापना की थी। यह धरा उत्तराखंड के इतिहास में सबसे प्राचीनतम और समृद्ध विरासत संजोए हुए है, जहां बद्रीनाथजी का शीतकालीन निवास और पूजन होता है। वही प्राचीन धरा ज्योतिर्मठ और उस पर बसी नगरी जोशीमठ अपने अस्तित्व के संरक्षण के लिए आज जूझने पर विवश हो गई है। क्या समय रहते चेता नहीं जा सकता था, और यदि हां, तो फिर जोशीमठ को इस त्रासदी में धकेलने की जवाबदेही किसकी है?

जून 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित 'विशेषज्ञ समिति' ने अप्रैल-2014 में रिपोर्ट सौंपी थी। उस समिति में मैं भी सदस्य था। अपनी रिपोर्ट में हम लोगों ने दो सिफारिशें की थीं कि 'मेन सेंट्रल थ्रस्ट (एमसीटी) से ऊपर के क्षेत्रों को बांध परियोजनाओं से मुक्त रखा जाए' और दूसरी यह कि 'पहाड़ों में वन-कटान, सुरंग निर्माण आदि के मद्देनजर क्षेत्र में हाइड्रो-जियोलॉजिकल प्रभावों का गहन अध्ययन किया जाए।' यह हमने विशेष तौर पर उच्च हिमालयी क्षेत्रों में संभावित खतरों का ब्योरा देते हुए आपदाओं से बचाव के मद्देनजर कहा था। केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने दिसंबर-2014 और जल संसाधन मंत्रालय ने मई-2016 में सुप्रीम कोर्ट में इस रिपोर्ट में दर्ज तथ्यों और अध्ययनों को स्वीकार करते हुए कहा था कि बांध परियोजनाएं क्षेत्र को अपूरणीय क्षति पहुंचा रही हैं। इन्होंने आपदा के प्रभाव को बढ़ाया है। पारिस्थितिकीय संरक्षण व लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर इन निर्माणों पर पुनर्विचार जरूरी है। उस दौरान चाहे एनजीटी, उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, सभी ने बेतरतीब विकास गतिविधियों को 'रेसिपी फॉर डिजास्टर' घोषित किया था। तब वर्ष 2014 में उत्तराखंड सरकार ने अपना 'क्लाइमेट चेंज एक्शन प्लान' जारी किया, जिसमें 'धारण क्षमता' के आधार पर ही पर्यटन/तीर्थाटन हो, यह नियमावली जारी की गई। सड़कों के निर्माण में मलबे का निस्तारण न हो, बल्कि कट-फिल तरीके से हरित सड़कों का निर्माण हो, यह बात भी कही गई, पर इनका क्रियान्वयन अब तक नहीं हो पाया है।

सड़क मंत्रालय ने स्वीकार भी किया था कि चारधाम परियोजना में चौड़ीकरण का मानक पहाड़ों के लिए अनुकूल नहीं है, किंतु धरातल पर कोई सुधार नहीं हुआ। जब सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश देकर इसे बदलवाया, तो सेना की जरूरत का हवाला दिया गया, जिसके चलते सर्वोच्च न्यायालय को परियोजना के डिजाइन को कायम रखने की सशर्त स्वीकृति देनी पड़ी। आज इन सड़कों के कटान क्षेत्र में पहाड़ियों पर सैकड़ों भूस्खलन के नए-नए क्षेत्र उभरते जा रहे हैं। जब पहाड़ियां ही कायम नहीं रहेंगी, तब सेना और आम जन की आवाजाही कैसे हो पाएगी? चाईं गांव, रैणी गांव, भटवाड़ी, खाट गांव, गोपेश्वर आदि कितने ही छोटे-बड़े कस्बों सहित नैनीताल और मसूरी की पहाड़ियां भी धारण क्षमता के परे दबाव के बोझ से बोझिल अपना सब्र गंवा रही हैं।

अब इन चारधाम क्षेत्रों में भविष्य में रेलवे की सैकड़ों किलोमीटर टनल ले जाने की भी योजना है, लेकिन इसके प्रभावों का अध्ययन नहीं किया गया है। आज हम केवल विकास के नाम पर अपनी महत्वाकांक्षा की अंधी होड़ से हिमालय को लादना चाहते हैं। धामों को दामों में बदलने की होड़ ही भारत के इस प्राचीन विरासत स्थल ज्योतिर्मठ को संकटग्रस्त करने की वजह है। फरवरी-2021 में ऋषि गंगा आपदा के बाद विश्व भर के वैज्ञानिक मनीषी गणों ने चेताया था। इसके बावजूद अगस्त-2021 में केंद्र ने पुन गंगा के क्षेत्र में सात बांधों के निर्माण को सुप्रीम कोर्ट में अपनी सहमति दे दी, जिनमें से एक तपोवन-विष्णुगाड भी है, जिसकी टनल जोशीमठ क्षेत्र से होकर गुजर रही है।

हमें इन पहाड़ों की धारण सीमा पर विचार करना ही होगा और विकास को लेकर अपनी मूल सोच को परिमार्जित करना होगा। चारधाम हिमालयी क्षेत्र की मूल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय भावना के अनुकूल विकास कार्य करने होंगे, अन्यथा हम विकास के भुलावे में केवल विनाश की ही राह गढ़ेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

बेटियों को दें अच्छी शिक्षा, रखें स्वास्थ्य का ख्याल: भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कुर्मी समाज प्रगतिशील समाज है। किसी भी समाज मे परिवर्तन के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है। उन्होंने बेटियों की शिक्षा एवं उनके स्वास्थ्य पर अधिक जोर देते हुए कहा कि मां ही जीवन की पहली गुरु होती है। उनका सिखाया हुआ शिक्षा, संस्कार, व्यवहार आजीवन काम आता है।

इसलिए उनकी स्वास्थ्य एवं शिक्षा महत्वपूर्ण है। श्री बघेल बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखंड के ग्राम खपराडीह में हाईस्कूल प्रांगण में आयोजित बलौदाबाजार राज कुर्मी क्षत्रिय समाज के 5 वें राज अधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सम्मेलन में जिला मुख्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए 24 घण्टा सातों दिनों खुलने वाला आधुनिक ई-लायब्रेरी, सुहेला के दक्षिण में ग्राम तिल्दाबांधा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम खपराडीह में मंगलभवन एवं मुक्तिधाम के लिए 20-20 लाख रुपये एवं खपराडीह में ही हाईस्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कुम्हारी जलाशय सम्बंधित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि राज्य के अन्नदाताओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त किसानों को इस वर्ष दिवाली के पूर्व भुगतान किया गया। आगामी 31मार्च को चौथी किश्त का भुगतान कर दिया जाएगा। सरकार अन्नदाताओं को उनकी उपज का सही दाम दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यक्रम में सुराजी गांव योजना और गोधन न्याय योजना सहित किसानों, गरीबों और मजदूरों के जीवन में बेहतरी लाने के लिए चलाई जा रही योजना का विस्तार से उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने किसानों से गौठानों में तैयार किए जा रहे वर्मी कम्पोस्ट का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही फसल की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। उन्होंने गौठान में पैरादान को महाअभियान बनाने पर सभी किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जा रहे हैं। कुर्मी क्षत्रिय समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष चोवा राम वर्मा ने पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के पूरे कुर्मी समाज एवं पिछड़ा वर्ग की ओर से आभार व्यक्त किया।

विभिन्न ट्रेडों के लगाए गए हैं 300 से ज्यादा स्टॉल

मुख्यमंत्री बघेल ने कॉस्मो एक्सपो 2023 का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज शाम श्री राम बिजनेस पार्क में आयोजित कॉस्मो एक्सपो 2023 कार्यक्रम में पहुंचे। इस एक्सपो में मुख्यमंत्री ने यहां पर लगे स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए रोटरी क्लब ऑफरायपुर को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की इस शानदार आयोजन में उद्योग व्यापार के लगभग सभी ट्रेडों का प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। मुझें इस बात का गर्व है की छत्तीसगढ़ शासन भी इस आयोजन का हिस्सा है। एक्सपो में ऑटो मोबाइल से लेकर रियल स्टेट और एजुकेशन तक हर क्षेत्र में देश और दुनिया में हो रहे नवाचारों के बारे में सहज ही जानकारी मिल रही है। इस एक्स्पो में विभिन्न ट्रेडों का 300 से ज्यादा स्टॉल लगाया गया है। साथ ही एक्सपो में विभिन्न शासकीय विभागों के साथ ही जनसंपर्क विभाग द्वारा विकाश के छत्तीसगढ़ माडल को बेहतर ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप सिंह जुनेजा, रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर भी मौजूद थे।

खास खबर

साहित्यकार, इतिहासकार संजय अलंग को वर्ष 2023 का सरस्वती साहित्य सम्मान

बिलासपुर। इस वर्ष का प्रतिष्ठित सरस्वती साहित्य सम्मान साहित्यकार और इतिहासकार डॉ. संजय अलंग को दिए जाने की घोषणा की गई है। यह पुरस्कार उनके द्वारा छत्तीसगढ़ की इतिहास और संस्कृति पर किए विशिष्ट शोधों और शोधात्मक इतिहास लेखन को रेखांकित करते हुए दिया जा रहा है। चयन समिति ने एक मत से संजय अलंग का पुरस्कार हेतु चयन किया। पुरस्कार घोषणा के साथ यह कहा गया है कि, डॉ. अलंग के शोधों ने छत्तीसगढ़ से संबंधित कई भ्रांतियों का खंडन कर नए तथ्यों को संदर्भ और प्रमाण के साथ सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया और शोध के लिए नए आयाम खोले। इतिहास को लिखने और देखने की शोध दृष्टि विकसित कर नए शोधार्थियों को प्रेरित भी किया। उनके द्वारा छत्तीसगढ़ पर किया गया काम अत्यधिक महत्वपूर्ण और विशिष्ट है। इस हेतु उन्हें केन्द्र के मानव संसाधन और शिक्षा मंत्रालय से सर्वश्रेष्ठ शोध शिक्षा लेखन का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। डॉ. संजय अलंग की छत्तीसगढ़ पर 10 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं। डॉ. संजय अलंग की इन पुस्तकों में - छत्तीसगढ़: इतिहास और संस्कृति, छत्तीसगढ़ की रियासतें और ज़मींदारियां, छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ और जातियाँ, छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प, छत्तीसगढ़ का भूगोल, छत्तीसगढ़ की संस्कृति, छत्तीसगढ़ के त्योहार और उत्सव आदि सम्मिलित हैं। संजय अलंग के 3 कविता संग्रह भी प्रकाशित हैं। यह हैं - शव, पगडंडी छिप गई थी और नदी उसी तरह सुन्दर थी जैसे कोई बाघ। डॉ. संजय अलंग को यह सम्मान पं. बबन प्रसाद मिश्र स्मृति समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा और इस अवसर पर उनका एक शोध आधारित व्याख्यान होगा, जिसका विषय है - छत्तीसगढ़ में छत्तीस और गढ़ क्या और कैसे? ज्ञातव्य हो को कि, हाल ही में संजय अलंग को उनके नवीन कविता संग्रह - नदी उसी तरह सुन्दर थी।

सड़क निर्माण के बाद पुंदाग में बिना बाधा के पहुंचेंगी शासकीय योजनाएं

छत्तीसगढ़ के उत्तरी छोर के आखिरी गांव पुंदाग में आजादी के 75 साल बाद सड़क बनाने का काम शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुंदाग गांव बलरामपुर जिला मुख्यालय से करीब 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। गांव की आबादी करीब 22 सौ है। इस गांव की जिला मुख्यालय बलरामपुर से कनेक्टिविटी आजादी के 75 साल बाद भी नहीं हो पायी थी। मगर अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर सड़क बनाने का काम शुरू हुआ है जो यहां के लोगों के सपने के सच होने जैसा है। पुंदाग गांव के पहाड़ी कोरबा जनजाति के अमावस बताते हैं कि मेरी उम्र करीब 40 साल है।

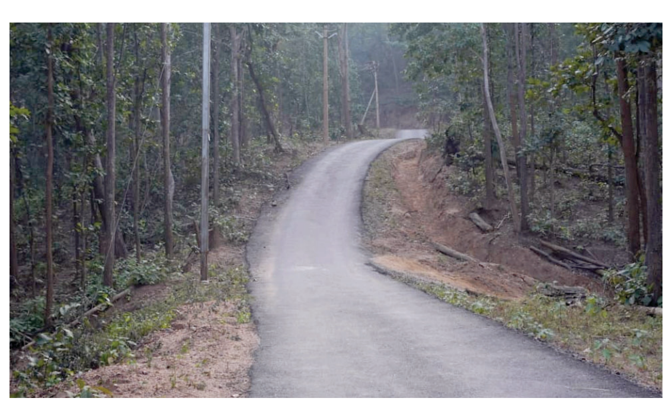

लेकिन मैंने अब तक जिला मुख्यालय बलरामपुर नहीं गया हूं। कारण पूछने पर कहते हैं कि यहां से बलरामपुर जाने के लिये सड़क ही नहीं थी। हमारे गांव के लोग काम पड़ने पर झारखंड के रास्ते छत्तीसगढ़ आना-जाना करते थे।

कभी कोई बीमार पड़ता था तो बड़ी परेशानी होती थी। वे कहते हैं कि सड़क बन जाने से हमारे बच्चों को बड़ा फायदा होगा, वे उच्च शिक्षा के लिये गांव से बाहर जा पायेंगे। पुंदाग जाने के लिये घने जंगल और कई घाट पड़ते हैं। दुर्गम इलाका होने की वजह से यहां सड़क बनाना आसान नहीं था। बीच रास्ते में कई सारी चट्टाने और नाले बड़ी बाधा थे। इसके साथ ही ये इलाका अति नक्सल प्रभावित था। इस गांव के तुरंत बाद झारखंड सीमा पर बूढ़ापहाड़ इलाका है जिसे नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। राज्य बनने के बाद से इस इलाके में करीब 435 नक्सल घटनायें हुईं थीं लेकिन विगत 4 वर्षों की बात करें तो मात्र 4 छुटपुट घटनाएं हुईं हैं, साथ ही एक भी जान-माल का नुकसाल नहीं हुआ है। पुलिस ने इस क्षेत्र से नक्सलियों को करीब-करीब खदेड़ दिया है।

नक्सलियों से निपटने खोले 4 कैंप

पूर्व में नक्सली घटनाओं के चलते इस क्षेत्र में विकास कार्यों की गति थोड़ी धीमी हो गयी थी। लेकिन विगत 4 वर्षों में यहां 24 किलोमीटर में 4 कैंप स्थापित किये गये हैं। ये कैंप सबाग, बंदरचुआ, भुताही और पुंदाग में लगाये गये हैं। इन कैंप को खोलने में राज्य सरकार ने पूरी सहायता उपलब्ध करायी है। यहां पर जवानों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने हेतु कई बोर कराये गये हैं। कैंप खुलने का नतीजा ये हुआ कि यहां नक्सली घटनाएं एकदम शून्य की ओर हैं और इलाके में विकास कार्य तेजी से शुरू हो गया है।

विकास से जोड़ने ग्रामीणों को सभी सुविधायें

बलरामपुर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. बताते हैं कि इस गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य योजनाएं पहुंचाने के लिये सबसे जरूरी था कि सबसे पहले सड़क बनायी जाये। जिला प्रशासन ने दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद बंदरचुआ से भुताही तक करीब 6 किलोमीटर सड़क बना दी है। भुताही से पुंदाग तक सड़क निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। इसके साथ ही भुताही में मोबाइल टॉवर और ट्रांसफॉर्मर लग गये हैं। जिस इलाके में फोन पर बात करना मुश्किल था वहां मोबाइल टावर लगने से ग्रामीण 4 जी सेवा का उपयोग कर रहे हैं पुंदाग गांव में इसी माह सब हेल्थ सेंटर भी शुरू होने जा रहा है। स्कूल भवन का रिनोवेशन किया जा रहा है।

पुंदाग में राशन दुकान, बिजली पोल और धान खरीदी केंद्र जल्द

अंतिम छोर में बसे इस गांव के लोग सड़क ना होने से अब तक राशन लेने के लिये भुताही तक आते थे। लेकिन जिला प्रशासन सड़क बनने के बाद इस गांव में राशन पहुंचाना शुरू कर देगा। यहां के किसान सड़क ना होने की वजह से सामरी धान खरीदी केंद्र में धान बेचने जाते थे पर अब यहां धान खरीदी केंद्र खोलने का प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। पुदांग गांव में अब तक सोलर लाइट से ही काम चलता है। सड़क बनते ही यहां बिजली के खंबे लगाने का काम शुरू होने वाला है। पुंदाग गांव में अधिकांश ग्रामीण किसान और पशुपालक हैं। जिला प्रशासन ने यहां गौठान निर्माण का काम शुरु कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि गौठान शुरू होने से उनकी आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। गोबर और गोमूत्र बेचकर उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक होगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदल रही गांवों की तस्वीर

छेरकाबांधा के राजू पक्के मकान में बिता रहें अब खुशहाल जीवन

आवास निर्माण की मिल रही तकनीकी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के विकासखण्ड कोटा के ग्राम पंचायत छेरकाबांधा में रहने वाले राजू साहू को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2019-20 में पक्का आवास स्वीकृत हुआ। योजना का लाभ मिलने से पहले श्री साहू कच्चे मकान में जैसे तैसे गुजर-बसर कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मकान कच्चा होने से बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। बारिश में उनका मकान क्षतिग्रस्त तो होता ही था और साथ में घर की दीवारों में पानी का रिसाव होने से पूरे घर में नमी बनी रहती थी। योजना का लाभ मिलने से श्री साहू बहुत ही खुश है। एक मजबूत और पक्का आवास बन जाने से अब मौसम की चिंता भी नहीं रहती। अब वे निंश्चित होकर अपने पक्के मकान में रहते है और योजना का लाभ पाकर शासन का धन्यवाद करते है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम छेरकाबांधा में प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु समय-समय पर योजना से संबंधित समस्त जानकारी ग्रामीणों को दी जाती है। हितग्राहियों से मिली जानकारी अनुसार उनकी समस्याओं का निदान जैसे-हितग्राहियों को आवास निर्माण की सामग्री सही कीमत पर दिलाना, सेट्रिंग प्लेट आदि की व्यवस्था आदि किया जाता है। छेरकाबांधा में जनपद पंचायत की आवास टीम एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से हितग्राहियों को आवास निर्माण संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन एवं कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। जिसके फलस्वरूप आवास निर्माण कार्यों में निरंतर प्रगति देखने का मिल रहा है। जनपद पंचायत कोटा में अब तक कुल 10 हजार 661 हितग्राहियों को आवास स्वीकृत हुए, जिनमें से 10 हजार 660 हितग्राहियों को पहले किश्त की राशि,2 हजार 987 हितग्राहियों को चौथे किश्त की राशि जारी की चुकी है। अब तक 9 हजार 172 हितग्राहियों के आवास पूरे हो चुके है।

महापौर कप टूर्नामेंट के दूसरे दिवस के मैच का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। महापौर कप 2023 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन रविवार को खेले गए क्रिकेट मैंचों का शुभारंभ महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद के द्वारा कराया गया। रविवार को कुल 07 मैच खेले गए, पहला मैच वार्ड क्र. 19 और वार्ड क्र. 44 के बीच खेला गया, महापौर श्री प्रसाद ने मैच शुभारंभ की घोषणा के साथ ही खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया, टॉस कराया एवं प्रतियोगिता प्रारंभ कराई।

इस मौके पर मेयर इन काउंसिल सदस्य संतोष राठौर, अमरजीत सिंह व पालूराम साहू, पार्षद द्रौपदी वर्मा व चन्द्रलोक सिंह, एल्डरमेन आरिफखान, बंटी शर्मा, अनवर खान, राजा, मसूद हसन, दविन्द्रर सिंह गांधी आदि के साथ टीमों के खिलाड़ी उपस्थित थे। यहाँ उल्लेखनीय है कि बहुप्रतीक्षित महापौर कप क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ शनिवार को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल एवं सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत के द्वारा किया गया था। कोरबा में पहली बार आयोजित महापौर कप क्रिकेट टूर्नामेंट में निगम के 67 वार्ड पार्षदों की 67 टीमें जिनमें महापौर इलेवन व सभापति इलेवन भी शामिल हैं, 12 एल्डरमेन की टीमें तथा 01 कमिश्नर इलेवन कुल मिलाकर 80 टीमें खेल रही हैं। पहला मैच वार्ड क्र. 19 व वार्ड क्र. 44 के बीच हुआ, महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने दूसरे दिन की प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया।

रीवागहन के दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन के कार्यक्रम में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री कवासी लखमा

धमतरी। मुड़ा कोषा के अंतर्गत आने वाले आठ ग्राम रीवांगहन, कुर्रा, मोखा, रावां, देमार, दरगहन, कुरमातराई, पीपरछेड़ी के हजारों लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आदिवासी समाज को नववर्ष की हार्दिक बधाई, समाज के द्वारा वार्षिक अधिकवेश के द्वारा लेखा जोखा करते हुए समाज मे किये गए विकास कार्य कमी, समाज की मांग आदि विषयों पर चर्चा की गई साथ ही समाज के लोगो के द्वारा सरकार से सामाजिक भवन की मांग की गई। जो समाज अपने हक की मांग रखता है वो हमेशा आगे बढता है।

खास खबर...

सिटी बसों की सुविधा प्रारंभ करने सीएम को ज्ञापन सौंपा

रायपुर। तीन वर्ष से बंद पड़ी सिटी बसों और जिले के सभी रेत घाटों को जनहित में प्रारंभ करने के लिए लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलकर ज्ञापन सौंपा। कहा गया कि उक्त सुविधाओं के बाधित होने से लोग परेशान हैं और इसकी वजह से कई प्रकार की आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो रही है। ज्ञापन में बताया गया कि कोविड.19 के दौरान 48 सिटी बसों को बंद कर दिया गया। कोरबा अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट सोसायटी इसका संचालन कर रही थी। हालात सामान्य होने पर बसों को ठीकठाक कराते हुए इन्हें सड़क पर उतारा जाना चाहिए। जिले की बड़ी आबादी को इसकी किफायती सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इसी तरह रेत की कालाबाजारी और चोरी को बंद करने के लिए अविलंब सभी अधिकृत घाट संचालित किये जाने के लिए भी ध्यानाकर्षण किया गया।

जरूरतमंदों को उपयोगी सामान दिए ब्राह्मण महिला मंडल ने

कोरबा। मकर संक्रांति के पावन पर्व के अवसर पर मारवाड़ी ब्राह्मण महिला मंडल द्वारा सुदूर वनांचल क्षेत्र भटगांव में जरूरतमंदों को चरण पादुका ;चप्पलद्धए फल मिष्ठान्न एवं तिल के लड्डू का वितरण किया गया। वितरित किये गए सभी खाद्य पदार्थ एमिष्ठान्न तथा तिल लड्डू मारवाड़ी ब्राह्मण विकास महिला मंडल के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने अपने घरों से अपने हांथो से बनाकर लाई थी। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी ब्राह्मण महिला मंडल की संरक्षिका श्रीमती उर्मिला शर्माए अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा शर्माए सचिव श्रीमती अंशु शर्माए कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजू शर्मा सहसचिव श्रीमती पूनम शर्माए उपाध्यक्ष उमा भात्रा के अलावा श्रीमती निर्मला शर्माए श्रीमती पुष्पा शर्माए श्रीमती प्रेमलता शर्माए श्रीमती पुष्पा शर्मा ;कोसाबाड़ीद्धए श्रीमती संगीता जोशी एवं श्रीमती जमना शर्मा का विशेष योगदान रहा।

धनुर्विद्या का प्रशिक्षण ले रहे गांव के बच्चे

कोरबा। सरकार के द्वारा खेल नीति में संशोधन करने के साथ विभिन्न खेलों को शामिल करते हुए मान्यता दी गई है। धनुर्विद्या आर्चरी भी इसमें से एक है। कोरबा जिले में ग्रामीण क्षेत्रों से खिलाडियों की सफलता इस खेल में जारी है। गढ़उरोपड़ा गांव में छत्तीसगढ़ आर्चरी एसोसिएशन के द्वारा सात दिन का शिविर आयोजित किया गया है। इसमें खिलाडियों की रूचि देखते बन रही है। राष्ट्रीय रेफरी भानु यादव और भरत यादव के द्वारा यहां पर शिविर का आयोजन एक सप्ताह के लिए किया गया है। एनटीपीसी ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत इसके आयोजन को हाथ में लिया है। संबंधित प्रावधान के अंतर्गत यहां खिलाडियों को प्रशिक्षण के साथ अन्य सुविधाएं दी जा रही है। बताया गया कि गढ़उपरोड़ा, अजगरबहार, हरदीमहुआ, गढ़कटरा, सतरेंगा और आसपास के इलाके के धनुर्धर इस विधा में पारंगत होने के लिए प्रशिक्षण लेने उत्साहित हैं। इससे पहले भी इस प्रकार के प्रशिक्षण शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में लगाए गए हैं और इसके माध्यम से खेल की तकनीक के बारे में जानकारी दी गई है। नए जमाने के साथ इस खेल के संसाधन बदले गए हैं और नियम भी अपडेट किए गए हैं।

150 स्कूली वाहनों का किया गया फिटनेस जांच

कोरबा। राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आज एसपी संतोष सिंह के मार्गदर्शन एवं एएसपी अभिषेक वर्मा तथा डीएसपी ट्रैफिक शिवचरण सिंह परिहार के पर्यवेक्षण में ट्रैफिक थाने में पदस्थ सूबेदार भुवनेश्वर कश्यप, एएसआई मनोज राठौर, आरटीओ विभाग के एसआई डकेश्वर सिंह राजपूत, आरक्षक अजय राजवाड़े, उमेश भैसमा, रामकुमार चंद्रा, टिकेश्वर चंद्रा के द्वारा अभियान चलाकर 150 विभिन्न स्कूलों के वाहनों के फिटनेस की जांच पुलिस लाइन में की गई।

बेटियों को वीरता के क्षेत्र में दिया जाएगा माता बहादुर कलारिन पुरस्कार- भूपेश बघेल

पूर्व माध्यमिक शाला परसाही को हाईस्कूल उन्नयन सहित कलंगपुर में विकास कार्यों के लिए घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि माता बहादुर कलारिन पर कलार समाज ही नहीं, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ को गर्व है। उनकी अदम्य वीरता पर हम सबको नाज है उनके नाम पर वीरता के क्षेत्र पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कलार (सिन्हा) समाज मेहनतकश समाज है। छत्तीसगढ़ के विकास में इस समाज का गौरवपूर्ण भागीदारी है। श्री बघेल आज बालोद जिले के कलंगपुर में कलार समाज के प्रांतीय महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि महुआ बोर्ड के गठन के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। इस बोर्ड का अध्यक्ष कलार समाज से बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मकर संक्रांति पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले कलार समाज के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने पूर्व माध्यमिक शाला ग्राम परसही को हाई स्कूल मे उन्नयन, ग्राम सिकोसा में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, ग्राम कलंगपुर में सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख रुपये, सीसी रोड निर्माण हेतु 10 लाख रुपए और सोलर हाई मास्क लाईट के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य एवं कलार समाज के महिला मंच के प्रांताध्यक्ष श्रीमती किरण सिन्हा ने की। मुख्यमंत्री बघेल ने कार्यक्रम में आगे कहा कि प्रत्येक समाज का रीति-रिवाज, परम्परा एवं संविधान होता है। उन्होंने कहा कि समाज की परम्परायें जो वर्तमान में सामयिक एवं उचित नही है। उन्हें समाप्त करने का कार्य भी समाज को ही करना होगा। श्री बघेल ने कहा कि मेरे और बालोद जिलेवासियों के बीच अटूट रिश्ता एवं असीम अनुराग है, जिसके फलस्वरूप बहुत ही कम अंतराल में लगातार बालोद जिले में मेरा आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक लोककल्याणकारी कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ गरीबों की जीवन में परिवर्तन लाने के लिए सुराजी गांव योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के जरिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने हेतु गौठानों में विभिन्न आजीविकामूलक कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। हमारी माताएँ, बहनें गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, दीया निर्माण, जैविक कीटनाशक निर्माण आदि विभिन्न स्वरोजगारमूलक कार्यों का सम्पादन सफलतापूर्वक कर रहीं है। इसके साथ-साथ अब गौठानों में प्राकृतिक पेंट का भी निर्माण किया जा रहा है। अब स्कूलों एवं सभी शासकीय कार्यालयों की रंगाई-पुताई प्राकृतिक पेंट से की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा प्रत्येक विकासखण्डों में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से राज्य के नौजवानों को रोजगार मुहैया कराने के साथ-साथ बैंको से लोन आदि की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

श्री बघेल ने कहा कि राज्य में 65 प्रकार के लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी करने का कार्य भी किया जा रहा है। इन सभी योजनाओं के माध्यम से राज्य के आम लोगों के आय में वृद्धि हो रही है तथा वे आर्थिक रूप से समृद्धि एवं स्वावलंबी बन रहे हैं। इसके साथ-साथ हमारी सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़ की परम्परा, संस्कृति, भाषा, रीति-रिवाज के भी संरक्षण एवं संवर्धन हेतु ठोस कार्ययोजना बनाई गई है।

इसके अंतर्गत राम वनगमन परिपथ, बाबा गुरू घासीदास तपोस्थलि जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक केन्द्रों को नई पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती किरण सिन्हा, संजारी बालोद की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, कलार समाज के प्रांत अध्यक्ष दीपक सिन्हा एवं युवा मंच के अध्यक्ष गोविंद सिन्हा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, संसदीय सचिव एवं क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह निषाद, विधायक संजारी बालोद श्रीमती संगीता सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समाजिक बंधु उपस्थित थे।

प्रयास आवासीय विद्यालय के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी मिसाल प्रस्तुत की

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कल्याण हेतु संसदीय समिति के अध्ययन दल ने किया प्रयास विद्यालय का दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए राज्य में किए गए कार्यों का अध्ययन करने के लिए आए संसदीय समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रोफेसर किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में प्रयास आवासीय विद्यालय के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी मिसाल प्रस्तुत की है। छत्तीसगढ़ में संचालित प्रयास विद्यालयों के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास देखते ही बनता है। डॉ. सोलंकी ने इस आशय की विचार आज यहां गुढ़ियारी स्थित प्रयास आवासीय कन्या विद्यालय में संसदीय दल के सदस्यों के साथ भ्रमण के दौरान आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

संसदीय समिति के अध्यक्ष डॉ. सोलंकी ने कहा कि किसी भी जाति और समाज का कल्याण शिक्षा से ही शुरू होता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के बच्चों में भी पूरी क्षमता होती है, जरूरत होती है उन्हें अवसर प्रदान करने की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय के शिक्षकों और प्राचार्य ने यहां पढ़ने वाले बच्चों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि वे कहा करते थे कि शिक्षा वह दूध है, जिसे पीकर व्यक्ति आत्मविश्वास से दाहड़ता है। प्रयास विद्यालय के बच्चों ने भी उनके कथन को सत्य साबित किया है। उन्होंने विद्या के यज्ञ में आहूति देने के लिए संसदीय समिति के सदस्यों को अवसर प्रदान करने के लिए और जिन विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में अपनी सफलता की कहानी साझा की उन्हें समिति की ओर से बधाई और धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों को मंच पर बुलाकर समिति के सदस्यों ने उनका अभिनंदन भी किया।

आयुक्त अनुसूचित जाति एवं जनजाति श्रीमती शम्मी आबिदी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप राज्य में शीघ्र ही अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पृथक प्रयास आवासीय विद्यालय स्थापित किए जाएंगे। प्रयास विद्यालयों से अब तक आई.आई.टी. में 107, एन.आई.टी. और ट्रिपल आई.टी. में 305, सीए और सीएस में 29, एमबीबीएस में 47 और इंजीनियरिंग में 916 बच्चे चयनित होकर पढ़ाई कर रहे हैं। प्रयास आवसीय विद्यालय में आई.आई.टी में प्रवेशित प्रत्येक विद्यार्थी को 40 हजार रूपए प्रतिवर्ष प्रोत्साहन स्वरूप आगामी शिक्षा के लिए दी जाती है। इसी प्रकार आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को लैपटॉप या लैपटॉप हेतु राशि प्रदान की जाती है, ताकि वे आगे की पढ़ाई आसानी से कर सकें। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मंजूला तिवारी ने प्रयास आवासीय विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस विद्यालय के विद्यार्थी एन.आई.टी. रायपुर में अध्ययनरत सुरेन्द्र कुमार ध्रुव हेमंत कुमार मौर्य, मेडिकल कॉलेज कांकेर में अध्ययनरत कुमारी पायल बंजोर, चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज दुर्ग में अध्ययनरत देवयानी नेताम, कुमारी अंजली सुधाकर और प्रयास रायपुर की छात्रा रही डॉ. तनुजा नेताम (एमबीबीएस) ने अपनी सफलता का श्रेय प्रयास आवासीय विद्यालय की अच्छी शिक्षा और शिक्षकों की योगदान को दिया।

इस अवसर पर संसदीय दल के सदस्यों ने डॉ. नीरज डांगी, अबिर रंजन विश्वास, जगन्नाथ सरकार, वी. शिवादासन, कामाख्या प्रसाद तासा सहित संसदीय दल के साथ आए अधिकारी, सचिव अनुसूचित जाति और जनजाति डी.डी. सिंह भी उपस्थित थे।

संसदीय समिति ने जंगल सफारी का भ्रमण किया

अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति मामलों की संसदीय समिति ने आज रायपुर पहुंचकर जंगल सफारी का भ्रमण किया। जंगल सफारी की डायरेक्टर श्री मर्सी बेल्ला ने संसदीय दल को बताया कि पर्यटकों में वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता, पर्यटको को नैसर्गिक मनमोहक एवं स्वच्छ वातावरण का आनंद उपलब्ध कराने तथा वन्यजीवों के संरक्षण संवर्धन एवं प्रजनन से संबंधित अनुसंधान के महत्वपूर्ण कार्य जंगल सफारी में किए जा रहे हैं। सांसदों की टीम ने वन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य को उल्लेखनीय बताया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल, सीसीएफइको टूरिज्म राजेश पांडे, विभागीय अधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सभी वर्ग के लोगों के आय और समृद्धि के लिए काम कर रही है राज्य सरकारः मुख्यमंत्री

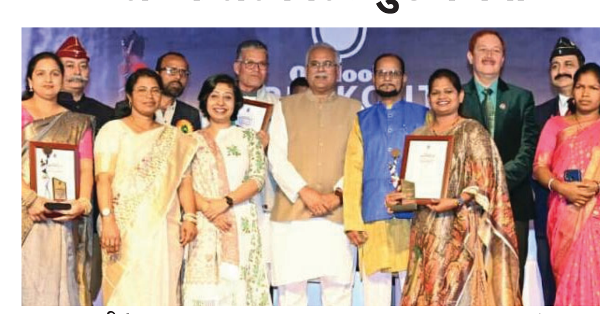

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज देर शाम एक निजी होटल में आयोजित स्पीक आउट रिइमेजिंग छत्तीसगढ़ कार्यक्रम शामिल हुए। श्री मुख्यमंत्री श्री बघेल ने परिचर्चा के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्धि के लिए हमने, हमारी सरकार ने हर वर्ग, व्यक्ति के आय मैं वृद्धि के लिए कार्य कर रही है। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संस्कृति के क्षेत्र में अनेक कार्य हो रहे हैं। यही हमारी सरकार की प्राथमिक विकास मॉडल है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि लोगों की आय में वृद्धि ही हमारा उद्देश्य है। हमने व्यक्ति के विकास के साथ ही कुपोषण और अशिक्षा जैसे बड़ी समस्या को खत्म करने की दिशा में कार्य किया और आज 41 प्रतिशत 0 से 5 साल के बच्चे कुपोषण से मुक्त हो चुके है। इसी कड़ी में किसान, मजदूर, आदिवासी, युवाओं को आय के साधन प्रदान किए जा रहे हैं।

किसानों का ऋण माफ किया गया। इससे वह किसान जो खेती से दूर हो चुके थे अब फिर से कृषि कार्यों से जुड़ते जा रहे हैं। धान का समर्थन मूल्य के साथ-साथ इनपुट सब्सिडी के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना लाया। वहीं, अब 2640 से 2660 रुपए पर धान खरीदी हो रही है। वर्ष 2017 में पंजीकृत किसानों की संख्या 15 लाख थी, जो बढ़कर अब 24 लाख हो चुकी है। रकबा पहले 22 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 32 लाख हेक्टेयर हो चुका है। इस खरीफसीजन में अब तक प्रदेश में 97 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। वहीं, जनवरी तक 1.10 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी का लक्ष्य रख गया है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती फुलादेवी नेताम, संसदीय सचिव एवं रायपुर पश्चिम के विधायक श्री विकास उपाध्याय, टीवी एक्टर श्री सुशांत सिंह, आउटलुक पत्रिका के सीईओ इंद्रनील रॉय, संपादक निधि सिन्हा उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में सामाजिक, आर्थिक, जन-जागरूकता, कृषि, महिला सशक्तिकरण के साथ स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

काम की चुनौतियों का कैसे करें मुकाबला

“ कामों को पूरा करने के लिए केवल समय और हुनर की जरूरत नहीं होती। जागरूकता का होना भी जरूरी है। हाइब्रिड कल्चर में काम कर रहे युवाओं के लिए यह एक जरूरी कौशल है।

कोविड महामारी ने बहुत कुछ बदल दिया। हमारे कार्यक्षेत्र और काम करने के तौर-तरीके भी बदल गए हैं। बहुत सारे लोग अब भी घर से काम कर रहे हैं। हाइब्रिड कल्चर ने घर और काम के बीच की दीवार को भी कमजोर किया है। ज्यादातर युवा ऐसी स्थितियों में काम कर रहे हैं, जहां घर या ऑफिस में रहते हुए उन्हें एक साथ कई तरह की जिम्मेदारियों और ध्यान भटकाने वाली चीजों के बीच काम करना पड़ता है।

रोजमर्रा की चुनौतियों को ढंग से पूरा करने के लिए जागरूकता का होना जरूरी है। एकाग्रचित्त और सतर्क रहते हुए काम करना, एक महत्वपूर्ण कौशल है, जिसे अधिकतर लोग नजरअंदाज करते हैं। यह कौशल आपको मानसिक रूप से सतर्क रखता है। अगर बड़ी चुनौतियां नहीं भी हों तो भी रोजमर्रा की कई बातें हैं, जो तनाव को बढ़ा देती हैं। जैसे...

- बहुत अधिक जिम्मेदारी लेना।
- बहुत अधिक नियंत्रण करने की कोशिश करना।
- माइक्रोमैनेजिंग,यानी छोटी चीजों को बड़ा बना देना।
- अच्छे प्रदर्शन की बहुत अधिक चिंता करना।
- सब कुछ परफेक्ट देखने की चाह।
- दिमाग को आराम न देना।
- अपने समय को ढंग से न बिताना।

यकीन मानिए कि ये बहुत बड़ी समस्याएं हैं। जरूरी है कि आप अपने काम के साथ अपने शौक और पसंद के काम के लिए भी समय निकालें। अगर आप ऐसा करते हैं तो पाएंगे कि

- आप आराम कर पा रहे हैं।
- आपको अच्छा लग रहा है।
- आप जिंदगी का आनंद ले पा रहे हैं।
- हर समय दबाव में नहीं रहते।
- लक्ष्यों तक ले जाने वाली अपनी छोटी-छोटी खुशियों को जी पा रहे हैं।
- हर काम से पूरी तरह जुड़ते हुए काम कर पा रहे हैं।
- एक समय में एक काम को अच्छे से कर रहे हैं।

काम और जीवन का संतुलन बिठाने वाली यह मानसिकता खुद से नहीं आ जाती। इसके लिए अभ्यास की जरूरत होती है। मैं जानता हूं कि कुछ शोक जैसे सप्ताहांत में खेल का कोई टूर्नामेंट खेलना य घूमने जाना भी तनावपूर्ण हो सकता है। पर, बात यह है कि अपनी जागरूकता से आप काम और खेल की दो अलग-अलग अवस्थाओं में होने वाली अपनी क्षमता पहचानते हैं। आप यह तय कर पाते हैं कि आपको किसे चुनना है।

उन गलतियों से बचने का भी बड़ा मुद्दा है, जिनके कारण लंबे समय तक करियर में रहना मुश्किल लगने लगता है। इस प्रक्रिया में तीन सबसे बड़ी गलतियां हैं-

- अपनी अपेक्षाओं को बहुत कम रखना।
- अनिश्चितता से दूर भागना।
- अपनी तरक्की को नजरअंदाज।

ये तीनों गलतियां एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं—

पहली गलती: उम्मीदों को कम रखना

बहुत-से लोग ऐसे होते हैं, जिनके भीतर गरजता हुआ आत्मविश्वास होता है और इसके सहारे वे दुनिया को जीतने की उम्मीद करते हैं। लेकिन, ज्यादातर लोगों के लिए ऐसा नहीं होता और वे खुद के बारे में तथा भविष्य के बारे में अनिश्चित होते हैं। वे सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं और वे सोचते हैं कि उनकी अपेक्षाओं को कम करने से उनमें सुरक्षा की भावना आ जाएगी। मगर ऐसा होता नहीं है। अपनी अपेक्षाओं को बहुत कम रखना आपको उन नौकरियों में फंसाता है, जिनमें कुछ भी सार्थक होने की संभावना कम होती है। ऐसे सैकड़ों लोग हैं, जो अपनी पुरानी नौकरियों में ही फंसे रहते अगर उन्होंने भी अपनी उम्मीदों को कम रखा होता। असल में अपनी अपेक्षाएं को बहुत कम रखना ही कई दफा मनोवैज्ञानिक सीमा बन जाती है।

दूसरी गलती: निश्चितता का जाल

जीवन अनिश्चित है, और अधिकांश लोग इस बारे में इतना असहज महसूस करते हैं कि वे तब भी निश्चित हो जाते हैं, जब उन्हें ऐसा एकदम नहीं करना चाहिए। वे बिना कुछ सोचे, अपने आस-पास के लोगों की राय का पालन करते है। वे तभी तभी सुरक्षित महसूस करते हैं, जब सब उनके मन के मुताबिक हो रहा होता है। यह सही है कि जीवन की अनिश्चितता कठिन है। पर, इसका मतलब यह नहीं कि आप आंखें मूंदे बैठ जाएं। इस तरह आप सारे विकल्प बंद कर लेते हैं।

तीसरी गलती: विकास की उपेक्षा करना

एक अच्छा करियर लगातार होने वाले विकास पर निर्भर करता है। अपनी खुद की क्षमता को विकसित होते देखना आसान नहीं है, खासकर तब जब आप युवा हों। असल में यही तय करता है कि आप कितनी दूर तक और किस तरफआगे बढ़ सकते हैं।

असल में, यही वे तीन गलतियां हैं, जो हमें बताती है कि हम भविष्य में क्या होंगे और कौन होंगे। असुरक्षा, चिंता और नौकरी करने का दबाव शक्तिशाली ताकतें हैं। इनके दबाव में हम यही महसूस करते रहते हैं कि आज कुछ अच्छा नहीं है तो आगे भी ऐसा ही रहेगा। सुरक्षित महसूस करने की आवश्यकता ज्यादातर लोगों को परेशानी में डालती है। इन नुकसानों से बचने का तरीका है अपने मूल विश्वासों पर काम करना व लोगों से खुले मन से मिलना। ऐसा करके हम छोटे कदमों से ही सही पर एक बेहतर भविष्य के सफर की शुरुआत कर सकते हैं।

www.deepakchopra.com

तीन नियम

1 दूसरे सब क्या कर रहे हैं, इसका आप से बहुत मतलब होता नहीं है। दूसरों के साथ जो हुआ वह आपके साथ भी होगा या आपको भी वैसा ही करना चाहिए, ऐसा नहीं है। लेखक इदिल अहमद कहते हैं, ‘दूसरों के व्यवहार को व्यक्तिगत न बनाएं। वे आपका दर्पण नहीं हैं। दूसरों के काम को देखें, समझें, पर उसे खुद पर हावी न करें।’

2 जिंदगी की अपनी यात्रा में हम बहुत कुछ ऐसा लादे हुए चलते हैं, जिसकी हमें जरूरत ही नहीं है। हमारी कामयाबी वह करने या होने में नहीं है, जो हम चाहते हैं। हमारी मजबूती इसमें भी है कि हम उन बातों को, उन चीजों को, उस सीखे हुए को खुद से अलग करने में कामयाब रहें, जो असल में हम हैं ही नहीं।

3 एक प्यार वह है, जो हम स्वयं को करते हैं। एक प्यार वह, जो दूसरे हमें करते हैं। हमें दोनों ही प्रेम की जरूरत है। उसमें भी सबसे जरूरी है हमारा खुद को स्वीकार करना। दिक्कत यह है कि हम खुद को प्यार नहीं करते और चाहते हैं कि दूसरे हमें प्रेम करें। लेखिका लॉरी डेशेन कहती हैं, ‘प्रेम की उस उस जगह को कोईनहीं भर सकता, जो स्वयं को प्यार नहीं करने से खाली हुई है।’

थाई हाई स्लिट ड्रेस में श्वेता तिवारी ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपना ग्लैमरस लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस लुक में एक्ट्रेस गजब की बला लग रही हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की उम्र 40+ होने के बावजूद वो अपनी हॉटनेस से कहर बरपाए रहती हैं। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही हैं। गोल्डन कलर के थाई हाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस ने सायनी मेकअप के साथ कर्ली हेयर स्टाइल कैरी कर रखा हैं। श्वेता तिवारी ने अपने इस आउटफिट के साथ रेड कलर के इयरिंग्स और ब्रेसलेट पहन रखे हैं। फैशन क्वीन श्वेता तिवारी के फैशन सेंस को कई फॉलोवर्स फॉलो करते हैं। साथ ही उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। कसौटी जिंदगी की फेम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने छोटे पर्दे के कई सीरियल्स और टीवी शोज में काम किया है। श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस का खासा ध्यान रखती हैं। यही कारण है कि वो अपनी बेटी पलक से भी ज्यादा ग्लैमरस नजर आती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके फैन फॉलोइंग की बात करें तो एक्ट्रेस के 4.1 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

आपका सकारात्मक रहना जरूरी

चाहे सुबह का अखबार उठाएं या दिनभर चल रहे खबरिया चैनलों की तरफनजर घुमाएं, नकारात्मक और डरावनी खबरों से दिल बैठ जाता है। ऐसे में अपने आपको सकारात्मक बना कर रखना क्यों जरूरी है?

नकारात्मकता को सीमित रखें

यह कहना आसान है, करना मुश्किल। प्रसिद्ध लेखक और इन्फ्लुएंसर नॉर्मन विन्सेंट पिएल अपनी किताब ‘द पॉवर ऑफपॉजिटिव थिंकिंग’ में कहते हैं, ‘नकारात्मक घटनाओं से सबक लें। सावधान रहें। अगर नकारात्मक खबरें आप पर हावी होने लगे, तो इसका मतलब है आप स्थितियों से घबराते हैं।’

इसका सबसे अच्छा उपाय है कि दिनभर में खबरें देखने का समय तय कर लें। चौबीसों घंटे न देखें। अगर कोई खबर आपको विचलित कर रही है तो उसे बार-बार न देखें। अगर आप सोशल मीडिया, ऑनलाइन, चैनल और अखबारों में पूरा दिन लगे रहेंगे तो आप अपने भीतर नेगेटिव एनर्जी ही भरेंगे।

सकारात्मक खबरों को तलाशें

ये उतना मुश्किल भी नहीं है। हर कहीं सकारात्मक खबरें हैं, बस आप तवज्जो नहीं देते। घर में नए फूल या सब्जी का उगना, राह चलते नटखट बच्चों को खेलते और बदमाशी करते देखना, दिनभर में अच्छी कविता पढ़ना या लिखना, किसी भूखे को भोजन खिलाना, पुराने दोस्त से अर्से बाद बात करना, माता-पिता के साथ घूमने जाना-जैसी कितनी ही अच्छी बातें हैं, जिन्हें हम तूल नहीं देते। ये भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। वैसे भी ओशो ने कहा है, ये दुनिया अच्छे लोगों से ही बनी है। आप और हम सब अच्छे हैं, इसलिए हमारे बारे में खबरें नहीं बनतीं।

खुद पर हावी न करें

अगर आप किसी बुरी खबर को पढ़ कर या देख कर दुखी होते हैं, तो ये नेगेटिव होना नहीं है। आप एक इनसान हैं और दूसरों के दुख में दुखी होना लाजिमी है। पर, इसके साथ मत चलिए। एक बुरी खबर पढ़ कर आप पूरे दिन का मूड खराब नहीं कर सकते। आपके दिन में सिर्फआप ही नहीं हैं। आपका परिवार, आपका काम और बाहर वाले भी हैं। आपको अपनी भावनाओं को काबू में रखना और इनसे अलग होना सीखना होगा।

योग करें और खुश रहें

अपनी ऊर्जा को चैनलाइज करने का सबसे अच्छा तरीका है— ध्यान और योग। आपके शरीर के हर तंत्र को भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन मिलेगी और मन शांत रहेगा। अपने दोस्तों, परिवार वालों के साथ अच्छा समय बिताएं। सदगुरु कहते हैं, ‘सकारात्मकता भीतर से बाहर आती है और नकारात्मकता बाहर से भीतर। आपके भीतर की ऊर्जा आपकी पॉजिटिविटी को बरकरार रखेगी।’

मदद के लिए तैयार रहें

अपने आसपास कुछ गलत घटता देखें, किसी को मदद के लिए पुकारता देखें तो पीछे नहीं हटें। जितना हो सके, उनकी सहायता करें। समाज से नकारात्मकता तभी दूर होगी, जब हम सकारात्मक बनेंगे। कई बुरी घटनाएं इसलिए भी घटती हैं, क्योंकि आसपास वाले मदद को नहीं आते। अपने साथ रहने वालों को सबल बनाएं। आप मदद करेंगे तो दूसरे भी आपका साथ देने के लिए आ जाएंगे।

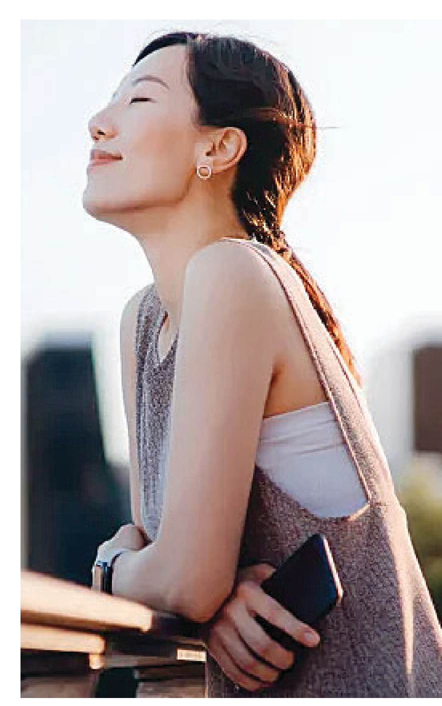

जयंती रंगनाथन

बच्चों के लिए बढ़िया है रसोई और बागवानी

खाना बनाना और बागवानी, बच्चों को घर के इन कामों से जोड़ना उनमें ऐसा कौशल पैदा करता है, जो उन्हें आगे बहुत काम आता है। पर हालिया अध्ययन के अनुसार, ऐसा करना उनकी सेहत के लिए भी अच्छा रहता है।

पोषण और बागवानी जैसे कामों का असर सात साल से कम उम्र के बच्चों में भी ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम रखने के रूप में सामने आया है। शोधकों ने यह उम्मीद जताई है कि ऐसे काम बच्चों को न सिर्फजीवन उपयोगी कौशल सिखाते हैं, उनके पोषण और विकास में भी बहुत फायदा पहुंचाते हैं।

‘टेक्सास स्प्राउट्स नाम के प्रोग्राम की शुरुआत 2016 में की गई थी, जिसके अध्ययन जामा नेटवर्क ओपन में छपे हैं। स्कूल से जुड़े बागवानी के प्रोग्राम से बच्चों में अच्छे खान-पान की प्रवृति को बढ़ावा, पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन और मेटाबॉलिक समस्याओं में कमी देखने को मिली।

प्रोग्राम के तहत तीसरी से पांचवी कक्षा के बच्चों के लिए सालभर में बागवानी और पोषण से जुड़ी एक घंटे की 18 क्लास दी गईं, जिसमें बागवानी के अलावा बच्चों को पर्यावरण, पोषण संबंधी बातें और फल व सब्जियों को ढंग से पकने व खाने के संबंध में बेहतर फैसले लिए जाने संबंधी बातें बताई गई। अच्छी बात यह रही कि इस कार्यक्रम में बच्चों के माता-पिता को भी शामिल किया गया ताकि वे भी अच्छे पोषण की बारीकियो ंको समझ सकें।

अध्ययन के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल होने वाले बच्चों में अन्य बच्चों की तुलना में सब्जियां ज्यादा खाए जाने की प्रवृति देखी गई। साथ ही उनमें फाइबर का सेवन भी अधिक देखा गया, जिससे उनमें ब्लड शुगर के स्तर में सुधार देखा गया। ऐसे बच्चों में अच्छे कोलेस्ट्रोल का बेहतर स्तर देखने को मिला।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कोल इंडिया स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट 30 से

कोरबा। कोल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी एसईसीएल को वर्ष 2023 में दी गई है। कोरबा क्षेत्र के वॉलीबॉल ग्राउंड में यह आयोजन 30 जनवरी से होगा। तीन दिवसीय आयोजन में कोल इंडिया की अनेक कंपनियों की टीमें शामिल होंगीं। कार्यक्रम निर्धारित होने के साथ स्थानीय स्तर पर आवश्यक तैयारियां की जा रही है। यहां के वॉलीबॉल ग्राउंड को बेहतर करने के साथ सभी आवश्यक बिंदुओं पर काम किया जाना शुरू किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली टीमों के आवास और खानपान के लिए प्रबंध किये जा रहे हैं। आयोजन समिति का गठन किया जाना बाकी है। बताया गया कि एसईसीएल स्तर पर हुए आयोजनों में कोरबा की खास भूमिका बीते वर्षों में रही है और कोल इंडिया के कई टूर्नामेंट जीतने में इलाके ने अपनी विशेष भूमिका निभाई है। कई कारणों से कोल इंडिया ने आयोजन की मेजबानी कोरबा क्षेत्र को दी है। इसे लेकर कोरबा क्षेत्र के साथ स्पोर्ट्स से वास्ता रखने वाला वर्ग खुश है। उन्हें लगता है कि तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान कोने-कोने से आने वाले खिलाडियों की खेल तकनीक देखने का अवसर प्राप्त होगा और वे इससे बहुत कुछ सीख सकेंगे।

जिले के 35 हजार 183 हितग्राहियों का सपना हुआ साकार

धमतरी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से गरीब लोगों का अपना पक्का मकान होने का सपना साकार हो रहा है। धमतरी जिले में शासन की महती प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत् पक्के मकान के लिए वर्ष 2016-17 से 2022-23 तक कुल 36 हजार 550 स्वीकृत आवासों में 438 करोड़ 60 लाख रूपये जारी किया जाना है। इसमें अब तक कुल 35 हजार 183 पूर्ण आवासों में हितग्राहियों को 431 करोड़ 91 लाख 25 हजार रूपये जारी किया गया है और 1367 आवास प्रगतिरत है। वर्तमान में चार हजार 816 हितग्राहियों को शासन द्वारा पहली, दूसरी, और चौथी किश्त की राशि लगभग 09 करोड़ 85 लाख रूपये सीधे हितग्राहियों के खाते में हस्तांतरित की गई है। शेष बचे हितग्राहियों को किश्त प्रदाय करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह एक हजार 367 प्रगतिरत आवासों के पूर्ण होने के बाद छः करोड़ 68 लाख 75 हजार रूपये जारी किया जाएगा। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की अवधारणा ''पक्का छत-पक्की दीवार' की है, जिसके तहत् हितग्राहियों को प्रति आवास रूपये एक लाख 20 हजार रूपये की दर से दिया जा रहा है। साथ ही 90 दिनों की मजदूरी भुगतान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजना के तहत भी अतिरिक्त तौर पर दी जा रही है।

मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है गोधन न्याय योजना अब गोबर पेंट बनेगा आर्थिक समृद्धि का जरियाः बृहस्पत सिंह

विभागीय अधिकारियों एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की किसानों से जैविक खेती को बढ़ावा देने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तातापानी महोत्सव आस्था का केंद्र होने के साथ ही एक विशाल जनसमूह का भी नेतृत्व करता है। महोत्सव के दौरान मेला देखने के लिए एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी लेने के लिए यहां दूर दूर से लोग आते हैं। इसी कड़ी में जिले के सभी क्षेत्रों के किसानों एवं पंच-सरपंच भी यहां आकर शासन की योजनाओं की जानकारी लेते हैं।

कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशन में इस बार के तातापानी महोत्सव में किसानों एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियो को योजनाओं की जानकारी देने के लिए किसान संगोष्ठी एवं पंच-सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद रहे। इस सम्मेलन के जरिए किसानों एवं पंच-सरपंच को विभिन्न विभागो के अधिकारियों के द्वारा कृषि के जुड़ी योजनाओं की जानकारी एवं योजनाओं से मिलने वाले लाभ की जानकारी दी गई। सम्मेलन में किसानो को जैविक खेती से लेकर मधुमक्खी पालन तक के आय के साधनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सम्मेलन मे किसानों को जैविख खेती का महत्व बताते हुए उन्हें मिलेट उत्पादन के लिए भी जागरूक किया गया। इस दौरान गोधन न्याय योजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व रामानुजगंज विधायक ने कहा कि रासायनिक खाद के उपयोग से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं शरीर को नुकसान पहुचता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने रासायनिक खाद से मानव शरीर को हो रहे नुकसान पर गम्भीरता से विचार करते हुए प्रदेश के गौठानो में वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने के साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने का काम किया है। श्री सिंह ने कहा कि यह मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि प्रदेश के लोग अभी गोबर बेच कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं और अब इसी गोबर से पेंट का भी निर्माण किया जा रहा है जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। श्री सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों को सशक्त करने किए लिए मुख्यमंत्री उन्हें अधिकार दे रहे है ताकि ग्रामीण स्तर पर किसी को भी कोई परेशानी न हो।

कृषक संगोष्ठी में मोटे अनाज एवं लघु धान्य फसलों ,मिलट मिशन पर विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा किसान समृद्धि योजना,शाकम्भरी योजना,कृषि यंत्र सेवा केंद्र व जैविक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी । उद्यानिकी विभाग द्वारा राज्य योजना के सम्बंध में जानकारी तथा जल एवं मृदा संरक्षण के सम्बंध में फसलों के महत्व को बताया गया। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मधुमक्खी पालन के सम्बंध में जानकारी दी गयी । पंचायत विभाग में संचालित समस्त योजनाओं सहित शासन की महत्वकांक्षी योजना नरवा,घुरुवा, गरुवा,बाड़ी के सम्बंध में भी विस्तार से जानकारी दी गयी।

किसान संगोष्ठी एवं पंच-सरपंच सम्मेलन में जिले के किसान, निर्वाचित पंच-सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधियों समेत जिले के पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग,जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

तातापानी महोत्सव के पहले दिन स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का बलरामपुर- रामानुजगंज जिला अपनी आदिम संस्कृति और परंपरा की अनूठी विरासत के लिए मशहूर है, इसी विरासत और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जाता है। तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव के पहले दिन की सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकारों एवं प्रदेश ख्याति प्राप्त कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों से आये छात्र छात्राओं ने नृत्य के माध्यम से जिले के विकास की झलक और पारंपरिक नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी ।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोकगीत गायिका आरू साहू तथा सुनील मानिकपुरी ने अपने सुरीली आवाज की जादू से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और अपनी टीम के साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की प्रस्तुति दी ऐतिहासिक संक्रांति परब तातापानी महोत्सव में जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयीन छात्रों ने सुआ, कर्मा, गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति से अतिथियों मन मोहा। जिले के विभिन्न स्थानों से आये स्थानीय जनजातीय कलाकारों ने अपने नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति झलक प्रस्तुत की ।

युवा सूफ़ी गायक नासिर अहमद और नरिन्द्र पाल सिंह ने खूबसूरत सूफी कलाम और नगमे पेश कर श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया। उन्होंने अपनी गायकी में रूहानी संगीत की खुशबू से सूफी के हर रंग को नए अंदाज से पेश कर के श्रोताओं की दिल में अपनी जगह बनायी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान तातापानी महोत्सव स्थल दर्शकों से पूरी तरह से भरा रहा. हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने पूरी तन्मयता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का जमकर लुत्फ उठाया. तातापानी महोत्सव में अपने प्रदर्शन और कला से लोगों का मन मोह लेने वाले विभिन्न स्थानों से आये कलाकारों को जिला प्रशासन की तरफ से कलेक्टर विजय दयाराम के. ,एसपी मोहित गर्ग और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रैना जमील ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

तातापानी महोत्सव में पंच-सरपंच सम्मेलन व कृषक संगोष्ठी का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तातापानी महोत्सव के दूसरे दिन आज पंच-सरपंच सम्मेलन के साथ ही कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सरगुजा विकास प्रधिकरण के उपाध्यक्ष व रामानुजगंज विधायक श्री बृहस्पत सिंह, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व रामानुजगंज विधायक ने कहा कि रासायनिक खाद का उपयोग करने से हमारे जीवन में विपरित प्रभाव पड़ता है, इसके उपयोग से हमारे शरीर को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने रासायनिक खाद से मानव शरीर को हो रहे नुकसान पर गम्भीरता से विचार करते हुए प्रदेश के गौठानो में वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने के साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने का काम किया है। विधायक श्री सिह ने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि नरवा विकास अंतर्गत नरवा उपचार का कार्य किया जा रहा है, जिससे जमीन के अंदर नमी बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि गोबर खरीदी के बाद अब प्रदेश में गोबर से पेंट निर्माण का कार्य किया जा रहा है, मुख्यमंत्री लगातार ग्राम पंचायतों को अधिकार दे रहे हैं।

कृषक संगोष्ठी में मोटे अनाज एवं लघु धान्य फसलों, मिलट मिशन पर विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि श्री राम द्वारा कृषि विभाग की योजनाओं व किसान समृद्धि योजना, शाकम्भरी योजना, कृषि यंत्र सेवा केंद्र, जैविक खेती की जानकारी दी गई। इसी प्रकार उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन, राज्य योजना के संबंध में जानकारी तथा जल एवं मृदा संरक्षण के संबंध में फसलों के महत्व को बताया गया। कृषि विज्ञान केंद्र जाबर के वैज्ञानिक श्री सोनपाकर द्वारा मधुमक्खी पालन के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं पंचायत विभाग में संचालित समस्त योजनाओं सहित मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मत्वाकांक्षी योजना नरवा, घुरुवा, गरुवा, बाड़ी के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी सहित जिले के पंच-सरपंच व कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वन्यप्राणीयों एवं मवेशियों के लिये वर्ष भर जल की उपलब्धता सुनिश्चित हुआ

नरवा विकास अंतर्गत बनाया गया खोखनिया नाला बांध से सात गांव हो रहा सिंचित, पर्यटकों को कर रहा आकर्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य प्राधिकरण (कैम्पा) योजना एडिनशल एपीओ. 2020-21 के तहत सूरजपुर वनमण्डल के वन परिक्षेत्र सूरजपुर अंतर्गत खोखनिया नाला (पिलखा पहाड़) में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य कराया गया हैं।नरवा विकास अंतर्गत बनाया गया खोखनिया नाला बांध से सात गांव हो रहा सिंचित एवं क्षेत्र का जलस्तर बढ़ा, पर्यटकों को कर रहा आकर्षित, प्रतिदिन आते हैं सैकड़ों पर्यटक।

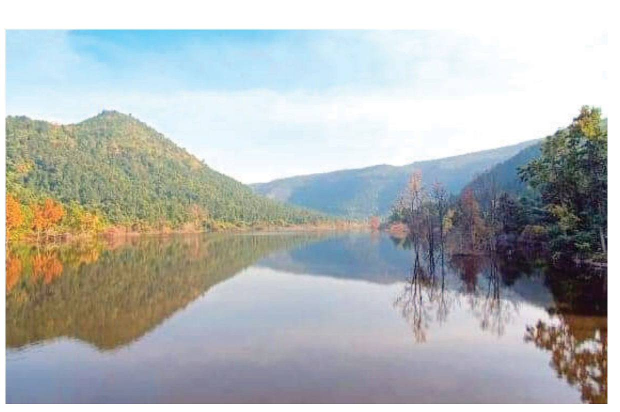

वन्यप्राणियो एवं मवेशियों के लिये वर्ष भर जल की उपलब्धता सुनिश्चित हुआ है।कुँआ एवं बोरवेल के जलस्तर में वृद्धि होने से लगभग 180 हेक्टेयर. खरीफ क्षेत्र सिंचित हुआ हैं जिससे 485 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। नरवा विकास होने से पिलखा पहाड़ के सुंदरता में वृद्धि हुईहै। इसे पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है प्रत्येक दिवस 150-200 व्यक्ति बांध में घुमने आते हैं। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत-पण्डोनगर (पहाड़गांव) के खोखनिया नाला में निर्मित वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की लम्बाई 165 मीटर ऊँचाई 13 मीटर एवं लागत 120.00 लाख हैं। वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का कैचमेंट एरिया 36000 हेक्टेयर एवं जल भराव क्षेत्र 2000 हेक्टेयर हैं। यह खोखनिया नाला के मुख्य प्रवाह में पिलखा पहाड़ के मध्य में तीन पहाड़ो के बीच में बनाया गया हैं, जिसमें पानी का भराव लगभग 16.50 लाख क्यूबिक मीटर हैं। उक्त वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर के पानी से ग्राम पंचायत पण्डोनगर, मदनपुर, अजबनगर, कमलपुर एवं पहाड़गांव के कृषि भूमि सिंचित हो रहे हैं।बांध की सुरक्षा हेतु समिति का गठन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की सुरक्षा हेतु प्राप्त निर्देशानुसार ग्राम पंचायत - पहाड़गांव, कमलपुर, मदनपुर, अजबनगर, पण्डोनगर, गोपालपुर एवं करतमा के ग्रामीणों की बैठक सरपंचो एवं उपवनमण्डलाधिकारी सूरजपुर व वन अमले के द्वारा लिया जाकर आवश्यक सुझावों पर चर्चा किया गया एवं पिलखा पाठ देव समितिष् का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं सदस्यों का चुनाव किया गया एवं उन्हें वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की सुरक्षा, साफ-सफाई एवं देखरेख की जिम्मेदारी दी गई। साथ ही बांध पर आने वाले पर्यटकों की जानकारी भी संधारित करने हेतु चर्चा किया गया।

बांध निर्माण से हो रहे लाभ - वन्यप्राणीयों एवं मवेशियों के लिये वर्ष भर जल कीउपलब्धता सुनिश्चित हुआ हैं। बांध से आसपास स्थित ग्राम पंचायतों के लगभग 165.00 हेक्टे, क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विकास हुआ हैं।कुँआ एवं बोरवेल के जल स्तर में वृद्धि होने से लगभग 180.00 हेक्टर. खरीफक्षेत्र सिंचित हुए हैं व लगभग 80.00 हेक्टे रबी फसल सीजन में सिंचाई होने की संभावना हैं. जिससे लगभग 485 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर के नजदीकी ग्राम पंचायत- पहाड़गांव, कमलपुर, मदनपुर, अजबनगर, पण्डोनगर, गोपालपुर एवं करतमा के भू-जल स्तर में लगभग 30 से.मी. की वृद्धि हुई है, जिससे कुआं नलकूप एवं बोरवेल जिनमें माह दिसम्बर के बाद जलस्तर में कमी हो जाता था उनके जल का स्तर बढ़ गया हैं। वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर में ग्राम पंडोनगर एवं पहाड़गांव के ग्रामीणों द्वारा मत्स्य पालन कार्य किया जा रहा हैं।

महोत्सव को यादगार बनाने सभी करें भरसक प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर । खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने मैनपाट के शैला रिसॉर्ट में मैनपाट महोत्सव की तैयारी बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार व जिला पंचायत सीईओ श्री विष्वदीप सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने इस बार के मैनपाट महोत्सव को यादगार बनाने तथा लोगों को नया देखने को मिले इसकी तैयारी हेतु पूरी कोशिश करने कहा। उन्होंने इस बार फिर कुश्ती प्रतियोगिता के साथ ही पतंबाजी का आयोजन करने के भी निर्देश दिए। महोत्सव में लाइटिंग की शानदार व्यवस्था पर भी जोर दिया।

खाद्य मंत्री ने कहा कि मैनपाट महोत्सव का प्रदेश में अलग पहचान है। लोग बेसब्री से इसका इंतजार करते हैं। महोत्सव देखने आने वाले लोग अच्छी यादें लेकर जाएं।

उन्होंने मैनपाट के सभी टूरिस्ट प्वाइंट की सड़कों की मरम्मत तथा सड़क किनारे मुरुम भराव कराने के साथ हो हर चौक में साइनेजेस लगवाने के निर्देष दिए। इसी प्रकार मेला स्थल प्रवेश हेतु वीवीआइपी, वीआईपी एवं आमजनों के लिए सुविधा के अनुसार प्रवेश द्वार, पार्किंग की व्यवस्था करने कहा। उन्होंने सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल जगज-जगह तैनात रहे। पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था रहे ताकि सभी सुरक्षित महसूस करें। बिजली, पानी, शौचालय की व्यवस्था तथा दुकाने भी व्यवस्थित रहें। पार्किंग का संचालन महिला समूहों के माध्यम से कराने कहा। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कहा कि इस बार मैनपाट महोत्सव के बेहतर आयोजन हेतु सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

सभी अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर आयोजन को सफल बनाएं। महोत्सव स्थल का निरीक्षण- खाद्य मंत्री ने अधिकारियों के साथ रोपाखार जलाशय के समीप स्थित महोत्सव स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्य मंच सहित बैठक व्यवस्था, प्रवेश द्वार, पार्किंग आदि की जानकारी ली और सुव्यवस्थित आयोजन हेतु तैयारी जोर-शोर से शुरू करने के निर्देश दिए। जलाशय में पानी रिसने के कारण जल भराव कम होने पर रिसाव में सुधार कर जलभराव करने के निर्देश दिए।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

जंगली सुअर मारने बिछाया करंट, युवक की हुई मौत

11 हजार वोल्ट की लाइन से अटैच था तार, चपेट में आया तो तड़प-तड़पकर गई जान, 5 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ में कुछ लोगों ने जंगली सुअर का शिकार करने करंट बिछा दिया। मगर उसकी चपेट में युवक आ गया और उसकी तड़प-तड़पकर मौत हो गई थी। बताया गया कि वह तार जिसे ग्रामीणों ने बिछाया था।

वो 11 हजार वोल्ट की लाइन से अटैच था। जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ था। अब इस मामले में पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। मामला कापू थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गोहेसलार कदमढोढी में रहने वाले नरेश कुजूर की 10 जनवरी को मौत हो गई थी। गांव के लोगों ने जंगल में उसका शव देखा था। जिसके बाद उन्होंने पुलिस और परिजनों को बताया था कि किसी ने करंट बिछाया था। जिसकी चपेट में आने से इसकी मौत हुई है। इसके बाद से पुलिस ने केस दर्ज किया था और करंट लगाने वालों की तलाश कर रही थी।

बताया गया कि पुलिस को बाद में पता चला कि निर्मल एक्का, बाबूलाल एक्का, सुलेन्द्र एक्का, करमसाय कुजूर और भूलन मिंज ने मिलकर एक दिन पहले यहां करंट बिछाया था। उन्होंने जीआई तार को वहां लगाया था और उसे 11 हजार बोल्ट लाइन से अटैच कर दिया था। इसी की चपेट में वह युवक आया है। इसके बाद पुलिस ने इन आरोपियों के घर में दबिश दी। मगर ये घर पर नहीं थे। बाद में पता चला कि आरोपी अपने रिश्तेदारों के यहां जाकर छिपे हैं। जिस पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी है और इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

चलती ट्रक में नकाबपोश बदमाशों ने ड्राइवर को पीटा, कैश और मोबाइल छीनकर भागे

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में ड्राइवर से लूट हो गई है। 6 नकाबपोश बदमाश चलती ट्रक में ही चढ़ गए थे। इसके बाद ड्राइवर को मारते-मारते नीचे उतारा। उसे रोड पर पटक-पटकर पीटा। फिर कैश और मोबाइल छीनकर भाग गए हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार पांडे रोड लाइन में आलिब अली ड्राइवर है। वो मूल रूप से झारखंड का रहने वाला है। वो शुक्रवार रात को चांपा से कोयला छोड़कर वापस कोरबा आ रहा था। उसे कोरबा में ट्रक में काम करवाना था। बताया गया कि रात के वक्त वह अभी मानिकपुर बाईपास रेलवे स्टेशन रोड पर पहुंचा था। उसी दौरान उसने ट्रक को धीरे कर दिया था। पीड़ित ड्राइवर ने बताया कि रास्ता सकरा है। गाड़ियां बहुत गुजर रही थी। इसलिए मैंने पासिंग देने गाड़ी को धीमा किया था। उसी दौरान कुछ लोग ट्रक में चढ़ गए। खिड़की के रास्ते नकाबपोश बदमाश एक-एक कर अंदर आ गए। जिसके बाद उन्होंने ट्रक को रुकवाया और ड्राइवर को पीटना शुरू कर दिया था। इसके बाद ड्राइवर को नीचे उतारा और रोड पर पटक पटक कर मारने लगे। ड्राइवर ने बताया है कि मैंने उनसे निवेदन किया कि मेरे पास जो है। उसे लूट लो। मगर मुझे छोड़ दो। फिर भी वे लोग नहीं रुके और मुझे पीटते रहे। फिर उन्होंने मेरे पास रखे 8 हजार कैश और 2 मोबाइल को छीना और भाग गए। ड्राइवर ने बताया है कि मैंने आस-पास जा रहे लोगों से भी मदद मांगी, पर किसी ने मेरी मदद नहीं की। घटना के बाद ड्राइवर ने पूरे घटनाक्रम की सूचना ट्रक मालिक को दी थी।

खास खबर

प्रेमी ने शादी करने से किया इंकार गर्भवती प्रमिका ने दी जान

धमतरी। जिले के सिहावा थानाक्षेत्र में प्रेमी द्वारा धोखा दिये जाने से क्षुब्ध एक युवती ने ने जहर पीकर अपनी जान दे दी। युवती गर्भवती हो गई थी और युवक शादी करने से मना कर रहा था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मामला लगभग एक वर्ष पूर्व का है। 19 मार्च 2022 को पीड़ित युवती अचानक उल्टी कर रही थी। जिसके बाद परिजनों ने उसे नगरी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से डॉक्टरों ने उसे धमतरी भेज दिया था। वहां भी उसकी हालत नहीं सुधरी तो उसे रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भेजा गया था। यहां डॉक्टरों ने बताया कि युवती गर्भवती है। इसके बाद युवती की डिलीवरी कराई गई। जिसमें युवती ने एक मृत बच्चे को जन्म दिया था। वहीं इलाज के दौरान 25 मार्च को युवती की भी मौत हो गई थी। मामले में युवती की मौत के बाद युवती की बुआ ने युवती के पिता को इस बात की जानकारी दी तथा बताया कि युवती का उसके गांव के ही पीताम्बर कुमार यादव से प्रेम प्रसंग था। पीतांबर ने उससे शादी का वादा किया तथा शारीरिक संबंध बनाया। जिससे युवती गर्भवती हो गई थी। युवती् की बुआ ने बताया कि लड़की ने तब इस बात की जानकारी दी थी, जब उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। युवती ने अपनी बुआ को यह भी बताया था कि पीतांबर ने उसे गर्भ गिराने के लिए दवाई दी। फिर भी बात नहीं बनी। इसके बाद युवती युवक से शादी करना चाहती थी पर युवक ने नाराज होते हुए शादी करने से इनकार कर दिया था। ये जानने के बाद युवती के पिता ने थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इधर युवती की मौत के बाद से आरापी युवक फरार चल रहा था जिसे रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है

घर में आग लगाने से लाखों का सामान जलकर खाक

रायपुर। ग्राम रायता में आग लगा देनें से घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। प्रार्थिया की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने एक युवक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रायता निवासी मोगरा बाई निषाद 40 वर्ष ने थाना में शिकयत किया कि आरोपी रोहित निषाद ने प्रार्थिया के घर में आग लगा दिया। जिससे घर में लगे टेंट, सोफा सेट, 3 नग मोटरसाइकिल व अन्य सामान जलकर खाक हो गया। जिससे प्रार्थिया को करीब 2 से 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। प्रार्थिया की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 436 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक पर धारदार हथियार से हमला

रायपुर। गांधी चौक सड्डू में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने क युवक पर धारदार हथियार से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार गांधी चौक सड्डू निवासी प्रार्थी खुमान सिंह यादव 40 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी साहिल साहू व अन्य ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर कांच जैसी धारदार हथियार से घुटना के पास मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 324, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

हादसे के बाद केबिन में फंसा ड्राइवर, 2 घायल

माजदा ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, एक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। वहीं 2 लोग घायल हुए हैं। बताया गया कि यहां माजदा वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिसके चलते यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद माजदा वाहन का चालक केबिन में ही फंस गया था। हादसा मोरगा चौकी क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के अनुसार बाइक सवार 2 युवक शनिवार को कटघोरा.अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग होकर कहीं जा रहे थे। ये अभी मदनपुर घाट के पास पहुंचे थे। तभी यह हादसा हो गया है। हादसे के बाद मौके पर ही दीपक चंदन किस्पोट्टा 40 की मौत हो गई थी। वहीं उसके साथ बैठा चरण सिंह बुरी तरह घायल हो गया। हादसे के बाद माजदा वाहन पलट गई थी। जिसके चलते ड्राइवर संतोष केबिन में ही फंस गया।

घटना के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल को अस्पताल भेजा गया था। वहीं संतोष को बचाने प्रयास जारी था।

पुलिस को भी इस घटना की सूचना दी गई थी। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। साथ ही क्रेन को मौके पर बुलाया गया था। जिसकी मदद से ट्रक को हटाया गया। एक घंटे की मशक्कत के बाद ड्राइवर को केबिन से निकालकर अस्पताल भेजा गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

दो साल की मासूम से नौकर ने किया रेप

युवक पर भरोसा कर महिला ने बच्ची को लेने भेजा था घर, अकेली पाकर किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में दो साल की मासूम बच्ची से रेप करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दुकान में काम करने वाले युवक पर भरोसा कर महिला ने उसे बच्ची को लेने के लिए घर भेजा था, जहां उसकी नीयत बिगड़ गई और उसने मासूम बच्ची को अकेली पाकर उसके साथ शर्मनाक हरकत कर दिया। पुलिस ने मामला सामने आने के बाद आरोपी युवक को पकड़ लिया है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

रतनपुर क्षेत्र में रहने वाली 30 वर्षीय महिला दुकान चलाती है। दुकान में शिवमंगल सूर्यवंशी (22) काम करता था। महिला ने शिवमंगल से कहा कि उसकी बेटी घर में है। उसे घर भेजा और बच्ची को लेकर दुकान आने के लिए कहा। महिला के कहने पर युवक घर पहुंचा, जहां दो साल की बच्ची को अकेली देखकर आरोपी शिवमंगल की नीयत बिगड़ गई। मौका पाकर वह मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकतें करने लगा। दुष्कर्म करने के बाद वह बच्ची को छोड़कर भाग गया।

इधर, बच्ची के साथ गलत हरकत करते हुए उसके भाई ने देख लिया। वह तत्काल दुकान पहुंचा और अपनी मां को इस घटना की जानकारी दी।

जब तक महिला घर पहुंची तो आरोपी युवक भाग गया था। वहीं, बच्ची घर में रो रही थी। उसे लेकर महिला थाने पहुंची, जहां पुलिस ने बच्ची को अस्पताल भेजा। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया और उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी शिवमंगल सूर्यवंशी को गिरफ्तार कर लिया है।

तीन माह बाद काम पर आया था आरोपी युवक

पूछताछ में महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी शिवमंगल उसकी दुकान में पहले काम करता था। लेकिन, वह पिछले तीन माह से काम पर नहीं आ रहा था। बीते शनिवार से ही वह काम पर आना शुरू किया था। महिला दुकान में अकेली थी। इसलिए, वह अपनी बच्ची को घर में अकेली छोड़ने के बजाए दुकान लाने के लिए आरोपी को घर भेजा था। लेकिन, महिला को क्या पता था कि आरोपी की नीयत बच्ची को अकेली देखकर बिगड़ जाएगी।

वन विभाग की दबिश: कोयला से भरा पिकअप जप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स की खदानों में आउटर से प्रवेश कर कोयला चोरी का काम काफी समय से चल रहा है। बीच में अंकुश लगने की खबरों के बीच दूसरे इलाकों पर चोरों की नजर बनी हुई है। खदानों के बाद अब जंगलों में भी काले हीरे का अवैध उत्खनन होने लगा है।

कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में रात के अंधेरे में तस्कर जंगल के भीतर कोयले की खुदाई कर रहे थे। वन विभाग की टीम जब मौके पर पहुंची तब तस्कर कोयले से भरी पिकअप वाहन को छोड़ मौके से फरार हो गए। पिकअप वाहन को जप्त कर वन विभाग आगे की कार्रवाई कर रही है। अपने तरह का यह अलग मामला है, जिसमें पहली बार वन्य क्षेत्र को टारगेट करते हुए चोरों ने यहां से कोयला पार करने का प्रयास किया। इसी के साथ यह बात सार्वजनिक हो गई है कि जंगलों में वन संपदा के अलावा खनिज भी मौजूद है। कहा जा रहा है कि मोरगा में जिस इलाके को चोरों ने निशाना बनाया, इस बारे में न तो पहले कोई सर्वेक्षण हुआ और न ही इस प्रकार की खबरें सामने आई। इससे पहले चोरों ने अपनी तकनीक से यहां गतिविधियां शुरू की। पता चला कि कटघोरा सबडिविजन और वनमंडल के केंदई वन परिक्षेत्र के मोरगा में कोयला की उपलब्धता के दावे काफी समय से किये जा रहे हैं। कोरबा जिले में कोयला की बड़ी पट्टी की मौजूदगी में यह क्षेत्र भी शामिल है। कुछ लोगों से वन विभाग को जानकारी मिली कि मोरगा क्षेत्र में जंगल से कोयला खनन के साथ पार करने की तैयारी की जा रही है। कटघोरा डीएफओ प्रेमलता यादव ने एक विशेष टीम तैयार कर जंगल में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बीती रात केंदई रेंज के लालपुर कक्ष क्रमांक एओ 712 में दबिश दी गई। रात लगभग 12 बजे वन विभाग की टीम अंधेरे में पहुंची तो टॉर्च की रोशनी देख कोयला तस्कर पिकअप छोड़ भागे। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर चोर फरार हो गए। वन विभाग ने पिकअप और उसमें लोड कोयला जब्त किया है।

गाड़ी नंबर और अन्य जानकारी के आधार पर चोरों तक पहुंचने की कोशिश करने की बात कही जा रही है। एसईसीएल की खदानों में भी घटनाएं जिले में एसईसीएल की ओपनकास्ट और अंडरग्राउंड खदानों के अलावा संबंधित संस्थानों में आपराधिक तत्वों के द्वारा हमला करने के साथ चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इन घटनाओं में खासतौर पर साधारण कर्मचारी और सुरक्षा में लगा वर्ग चोटिल हो रहा है।

डीजे में नाचने की विवाद पर दो पक्ष भिड़े

रायपुर। ग्राम ईलदा में डीजे में नाचने की विवाद पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थी मन्नु लाल साहू 51 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि शादी कार्यक्रम में डीजे बज रहा था, जिसमें नाचने की बात को लेकर आरोपी भागवत चतुर्वेदी व राजेश ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी राजा चतुर्वेदी 20 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी मन्नु लाल साहू व खिलेश साहू ने शादी कार्यक्रम मे बज रहे डीजे में नाचने की बात पर विवाद कर गाली-गलौज करते हुए हाथ मुक्का से मारपीट कर चोट पहुंचाये। दोनों पक्षों की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

जलेबी चौक से सुभाष चौक की सड़के होंगी चकाचक

महापौर नीरज पाल ने भूमिपूजन कर डामरीकरण कार्य की शुरुआत की

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 3 जलेबी चौक से सुभाष चौक तक एवं नंदनी रोड से पावर हाउस चौक से तेल्हा नाला तक एक तरफ डामरीकरण का कार्य किया जाएगा। पावर हाउस चौक से नंदनी रोड तक जाने वाली सड़क की हालत वर्तमान में बेहद खराब है, प्रतिदिन यहां से हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं तथा व्यस्ततम मार्गो में से यह सड़क आता है, नेशनल हाईवे से हथकोज, एसीसी, हाउसिंग बोर्ड, गौरव पथ आदि को यह मार्ग जोड़ता है, जिसको देखते हुए महापौर नीरज पाल ने इस सड़क के डामरीकरण एवं संधारण कार्य को प्राथमिकता देते हुए इसकी मंजूरी दी है। महापौर नीरज पाल ने जलेबी चौक से सुभाष चौक तथा नंदनी रोड से पावर हाउस चौक से तेलहा नाला तक के डामरीकरण एवं संधारण कार्य के लिए भूमि पूजन कर कार्य की शुरुआत कराई है। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास ने कार्य को शीघ्रता से करने तथा गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। भूमि पूजन के कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एवं एमआईसी सदस्य एकांश बंछोर, जोन अध्यक्ष जलंधर सिंह, महापौर परिषद के सदस्य मन्नान गफ्फार खान, पार्षद इंजीनियर सलमान, पार्षद सत्यदेवी जायसवाल, पूर्व पार्षद दुर्गा प्रसाद साहू, जी राजू एवं जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, सहायक अभियंता अनिल सिंह, उप अभियंता अमित एक्का आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए रोमशंकर को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण के लिए 25 वर्षों से भी अधिक समय से कार्य कर रहे ग्राम डुन्डेरा निवासी रोमशंकर यादव को रायपुर में आयोजित आऊटलुक स्पीकआऊट रिइमेजिंग छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया है उन्हें यह सम्मान प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदान किया श्री यादव ने जन्म से लेकर मृत्यु संस्कार तक एवं विभिन्न मांगलिक अवसरों पर पौधरोपण एवं उपहार स्वरूप पौधे भेंट करने की अनूठी एवं अनुकरणीय परंपरा कायम की है वे हर साल रक्षाबंधन पर पेड़ों को राखी बांधकर इसकी रक्षा का संकल्प लेते उनके नेतृत्व में हितवा संगवारी संस्था की देखरेख में दो लाख नए पेड़ तैयार हुए है वहीं मरोदा डेम के आसपास साढ़े छः लाख पेड़ों को कटने से बचाए हैं इस प्रकार लगभग साढ़े आठ लाख पेड़ों को संरक्षित कर रखा गया है समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आवाज उठाकर लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने का भी कार्य कर रहे है।

राजेन्द्र पार्क में भव्य पुष्प प्रदर्शनी का विधायक,महापौर व पर्यावरण प्रभारी ने फीता काट कर किया शुभारंभ

रंग-बिरंगे फूलों ने किया लोगों को आनंदित, शासन की योजनाओं के मॉडल बने आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा रविवार को फ्लावर शो का आयोजन किया गया। जी.ई रोड स्थित राजेंद्र पार्क में फ्लावर शो पुष्प प्रदर्शनी देखने सुबह से रात्रि तक लोग जुटते रहे। यह भव्य फ्लावर शो का चौथा वर्ष भी किया गया। भव्य फ्लावर शो में लोगों ने विभिन्न प्रजाति के रंग-बिरंगे फूलों को देखकर खासे आनंदित हुए।

वहीं बच्चों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में पर्यावरण से संबंधित कलाकृति उकेर कर अपनी कला कौशल का प्रदर्शन किया। चाक से दीए बनाने के स्टाल में बच्चों की कतार लगी रही। यहां बच्चों ने अपने हाथों से दीए बनाकर काफी उत्साहित नजर आए। भव्य फ्लावर शो में लोगों के मनोरंजन के लिए गीत-संगीत का भी आयोजन किया गया था।

पूरे भव्य फ्लावर शो के दौरान विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, छत्तीसगढ़ राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आर.एन. वर्मा, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, राजेन्द्र साहू, सभापति राजेश यादव, अलताप अहमद पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग की प्रभारी सत्यवती वर्मा व अन्य सक्रिय रहे। वे फ्लावर शो में फूलों की प्रदर्शनी, शासन की योजनाओं से संबंधित माडल और अन्य स्टालों का जायजा लेकर लोगों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रदीप चौबे, पूर्व विधायक प्रतिभा चन्द्राकर, क्षितिज चंद्राकार, एमआइसी प्रभारी दीपक साहू, जयश्री जोशी, हमीद खोखर, मनदीप सिंह भाटिया, मदन जैन, राज कुमार नारायणी, पार्षद श्रद्धा सोनी, विजेंद्र भारद्वाज, नजहत परवीन, सतीश देवांगन, काशीराम रात्रे, संदीप वोरा, अजय गुप्ता, रत्ना नारमदेव, जगमोहन ढीमर,उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता राजेंश पांडेय,आरके पालिया, जितेंद्र समैया, अनिल सिंह, अनूप वर्मा,अनीस रजा,प्रकाश गीते, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, निखिल खिचरिया बृजमोहन तिवारी के अलावा बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि दुर्ग निगम द्वारा लगातार चौथे वर्ष फ्लावर शो का आयोजन किया गया। लोगो की अच्छी भीड़ देखने को मिली।

मॉडलों ने किया आकर्षित

फ्लावर शो में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के माडलों ने आगंतुकों को आकर्षित किया। इन माडलों में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, गौठान, गोबर से बने पेंट,पौनी पसारी योजना, गोधन योजना, श्री धवंतरि मेडिकल योजना, गौठान की योजना,शासन के 4 वर्ष बेमिसाल सहित अन्य शामिल रही।राजेन्द्र पार्क भव्य फ्लॉवर शो में रामवन गमन पथ बना लोगो के बीच आकर्षण का केंद्र माडलों के स्टालों में लोगों की खासी भीड़ जुटी। कार्यक्रम में पर्यावरण सुधार का संदेश दिया गया।

फूलों की आकृतियों ने लुभाया

विभिन्ना प्रकार से फूलों और फलों को आकार देकर आकर्षित ढ़ंग से प्रदर्शनी में लगाई गई, जो आगंतुकों को लुभाती रही। इसमें फूलो से कलश, फूलों की अन्य आकृतियों को आकर्षक ढंग से बिखेरा गया था। छत्तीसगढ़ी संस्कृति से संबंधित स्लोगन व अन्य प्रदर्शनी भी लोगों का ध्यान आकृष्ट करते रही। आयोजन स्थल पर ही लोक संस्कृति का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें स्कूली बच्चों और कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ी संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

निर्मला बेन द्वारा देहदान की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संतराबाड़ी गायत्रीमंदिर वार्ड निवासी श्रीमती निर्मला बेन टाँक(80 वर्ष) ने अपने देहदान की घोषणा कर वसीयत नवदृष्टि फ उंडेशन के कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,नत्थू अग्रवाल,रितेश जैन, सुरेश जैन,हरमन दुलई को सौंपी। टाँक परिवार के दयाराम हिरजी भाई टाँक,जयराम टाँक,चेतन चौहान,हीरा गौरी टाँक,तारा टाँक,इशू टाँक देहदान की घोषणा के समय उपस्थित रहे व् देहदान हेतु सहमति दी

निर्मला बेन टाँक ने बताया कल मकर संक्रांति के अवसर पर व्हाट्स एप्प पर स्वामीनारायण मंदिर का मैसेज पढ़ा जिसमे देहदान हेतु प्रेरित किया गया था मैसेज पढ़ते ही उन्होंने परिवार को देहदान करने की इच्छा व्यक्त की व् दयाराम हिरजी भाई टाँक ने नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों से सम्पर्क कर अपनी भाभी की इच्छा पूर्ण की। नवदृष्टि फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य नत्थू अग्रवाल ने कहा संस्था लगातार लोगों को देहदान व् नेत्रदान हेतु जागरूक कर रही है जिसके बेहतर परिणाम आ रहे हैं ऐसे ऊर्जावान युवाओं के साथ कार्य कर मुझे सुखद अनुभूति होती है व् इस बात से संतुष्टि होती है की हमारी आने वाली पीढ़ी समाज के हित हेतु काम कर रही है सुरेश जैन ने कहा इस क्षेत्र में अभी बहुत कार्य करना बाकि है जब तक प्रदेश अंधत्व मुक्त न हो जाए व् हर छात्र को केडेवर की व्यवस्था न हो जाए अभियान जारी रहेगा हरमन दुलई ने कहा यदि कोई देहदान व् नेत्रदान पर कोई जानकारी चाहता है तो हमारे सदस्यों से सम्पर्क करे या 9827906301 नंबर पर फोन कर जानकारी ले सकता है

भिलाई के शिव की बारात में इस बार बॉलीवुड की एंट्री, आ रही है मशहूर एक्ट्रेस रिमी सेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिव की बारात का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस बार भिलाई में निकलने वाली शिव की बारात में बॉलीवुड की एंट्री हो रही है। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति में अध्यक्ष दया सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

रविवार को बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति से जुड़े नए सदस्यों के स्वागत समारोह के दौरान उन्होंने यह महत्वपूर्ण जानकारी दी।

दया सिंह ने बताया कि इस बार बाबा की बारात में काफी कुछ नया होने वाला है। इस बॉलीवुड की एंट्री से बाबा की बारत और भी भव्य हो जाएगी। दया सिंह ने बताया कि बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रिमी सेन बाबा की बारात में शामिल होने आ रही हैं। इसके अलावा इस बार बाबा की बारात में केरल से 10 झांकियां आ रही है। आंध्र प्रदेश से 6 झांकियों के साथ यूपी का नृत्य स्पेशल होने वाला है। इस बार भिलाई के लोगों को निमंत्रण देने के लिए 21 हजार कार्ड प्रिंट कराए गए हैं। छत्तीसगढ़ की 151 झांकियों के साथ बस्तर का मशहूर नृत्य बारात की शोभा बढ़ाएगा।

दया सिंह ने बताया कि, मकर संक्रांति का पावन पर्व है आज से शुभ काम की शुरुआत की जाती है। इस बार बाबा की बारात पिछले बार के मुकाबले ज्यादा भव्य रहेगी और अधिक झांकियां भी देखने को मिलेंगी। इस बार बाबा की बारात में कुल 151 झांकियां रहने वाली हैं। इसके साथ ही बॉलीवुड की एक्टर रिमी सेन भी बाबा की बारात में मौजूद रहेंगी दया सिंह ने बताया कि, बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति की प्रथम बैठक के साथ बाबा की बारात की तैयारी शुरू कर दी गई है। अभी बैठक लगातार अन्य मंडलों में भी जैसे कैंप मंडल, सुपेला मंडल, पूर्व मंडल, हुडको दुर्गआदर्श नगर, रायपुर नाका, दीपक नगर, सेक्टर रिसाली मंडल, चरोदा मंडल, कुम्हारी मंडल में भी आयोजित की जाएगी और सबको जिम्मेदारी बाटी जाएंगी ताकि बाबा की बारात का यह 15 साल भव्य और यादगार हो सके।

मैसूर देखने रवाना हुआ कांकेर के युवक-युवतियों का जत्था सीमा सुरक्षा बल की पहल पर निकले भ्रमण पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत रविवार को दोपहर को कांकेर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से युवक एवं युवतियों का जत्था को दुर्ग रेलवे स्टेशन से मैसूर के लिए रवाना किया गया। इस जत्थे में 15 लड़कियां और 15 लड़कों के साथ 2 सुरक्ष अधिकारी व एक महिला सुरक्षा अधिकारी शामिल हैं। यह टीम मैसूर में विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्वल भविष्य तथा अधिकार के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान की जायेगी, साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक-युवतियों के बीच मेल-मिलाप बढ़ेगा, जिससे वे एक-दूसरे की खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ एवं वेशभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही मैसूर के प्रसिद्ध, दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन, नई दिल्ली (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) एवं गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान मे 14 वॉं आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इस कार्यक्रम में कांकेर जिले मे तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के इलाके से इस वर्ष कुल 14 भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

मैत्री विहार महिला मंडल ने दान स्वरूप वनवासी विकास समिति को खाद्य सामग्री व नगद राशि की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । मैत्री विहार वार्ड क्रमांक 7 दाऊबाढा तालाब में आज मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ के द्वारा दान संकलन अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमे मैत्री विहार महिला मंडल की अध्यक्ष शीला सिंह के मार्गदर्शन में महिला मंडल की सचिव रेनू पांडे, उपाध्यक्ष नेहा गुप्ता, सदस्य अर्पण श्रीवास्तव, रीना दुबे, मीना पाण्डेय एवं अन्य सदस्यों के द्वारा वनवासी छात्राओं के विकास हेतु सहयोग स्वरूप खाद्य सामग्री और नगद राशि शिविर आयोजको को प्रदान की। मैत्री विहार महिला मंडल ने पहल करते हुए सामाजिक कार्य की दिशा में अपना कदम बढ़ाया है।

रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए सीएम बघेल ने किया सूरज साहू का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्त मित्र सुरज साहू का सम्मान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजिम जयंती में राजिम भक्तीन माता 2023 सम्मान से सम्मानित किया राजिम माता जयंती समारोह में समाज के गौरव और प्रतिभावनों का सम्मान किया गया रक्त दान के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सुरज साहू को रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्त्रि पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राजिम भक्तिन माता जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महोत्सव स्थल पर भगवान श्री राम जी की भव्य एवं विशाल मूर्ति का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने समाज के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों के साथ श्री राजीव लोचन भगवान एवं मंदिर परिसर में विराजित राजिम भक्तिन माता की महाआरती व पूजा अर्चना कर राज्य और समाज की खुशहाली की कामना की। समारोह में समाज के गौरव और प्रतिभावानों का सम्मान किया गया। रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए रक्त मित्र सुरज साहू का, राजिम भक्तिन माता सम्मान-2023 से सम्मान मिला।

मुख्यमंत्री ने महोत्सव स्थल पर राजिम भक्तिन माता जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि साहू समाज एक प्रगतिशील समाज है, हम सबको राजिम भक्तिन माता एवं माता कर्मा के बताए संदेशों का अनुसरण करना होगा। उन्होंने प्रदेशवासियों को राजिम माता भक्ति जयंती की बधाई दी और कहा कि राजिम माता ने जिस साहू समाज को अपनी मेहनत और त्याग से संगठित किया, आज वह समाज शिक्षा, कृषि व व्यवसाय सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और दूसरे समाज भी उनका अनुसरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा प्रयागराज का महत्व है, उसी तरह छत्तीसगढ़ के लिए राजिम का भी महत्व है। टहल सिंह साहू प्रदेश अध्यक्ष साहू संघ छत्तीसगढ़ रक्तदान शिविर में पहुंचे कर रक्तदान करने वाले रक्त मित्रो को सम्मानित किए और सभी युवा प्रकोष्ठ को रक्तदान से जुड़कर सेवा कार्य करने के लिए बधाई भी दिए रक्तदान को लेकर बडे पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाए जाने की योजनाओं पर चर्चा भी किया गया। रक्तदान को लेकर लोगो में भय है। रक्तदान से हम बीमार मरीज की जान बचा सकते है। रक्तदान करना चाहिए। इससे समाज मे समरसता को बढावा मिलने के अलावा किसी की जिंदगी भी बचाई जा सकती है।

संदीप साहू राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय तैलिक युवा साहू महासभा राज्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन ने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगो मे काफी भ्रांतियां है जिसको दूर करने के लिए लोगो को जागरूकता करने की जरूरत है। और रक्त की जरूरत कब किस इंसान को पड़ जाए कहा नही जा सकता। क्या पता आपके खून की कुछ बूंदे किसी जरूरतमंद की सांसो को थमने से रोक दे। प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगो के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाए विद्यमान है। यही वजह है कि बहुत प्रयास के बावजूद बमुश्किल कम रक्त उपलब्ध हो पाता है आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जायेंगे। और रक्तदान करने वालो को हर जगह मान-सम्मान मिलना चाहिए, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हो। मेरे ख्याल से लोगो को रक्तदान के लिए बढ़ावा देने और रक्तदाता का आभार जताने के लिए सभी समाज को आगे आने की जरूरत है समाज के युवाओं को रक्तदान सेवा कार्य से जोड़ कर रखने के लिए उन सभी को समय समय पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रम में सम्मान करना चाहिए है। जिससे युवा समाज से जुड़कर ऐसे अनेकों सेवा कार्य कर मानव जीवन में लोगो की मदद करेंगे।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में कबड्डी चैंपियन बनी भिलाई निगम की बालिका टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ ओलंपिक खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत सभी 14 प्रकार के खेलो का फाइनल मैच राजधानी रायपुर मे संपन्न हुए। जिसमे कबड्डी खेल प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग से नगर पालिक निगम भिलाई की बालिका टीम ने विजय हासिल किया। 0 से 18 वर्ष तक की आयु वाली विजेता बालिका टीम मे रूखसार खातून, संध्या चौहान, अंजलि यादव, सिनता तनिसा, रूपल यादव, आयशा खातून, वैशाली राज और ज्योति बिसाल आदि शामिल रही।

विजेता टीम को खेल एवं युवा कल्याण विभाग छग शासन की संचालक द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। भिलाई निगम की बालिका टीम द्वारा कबड्डी मे प्रथम स्थान अर्जित किये जाने पर भिलाई निगम के महापौर नीरज पाल व आयुक्त रोहित व्यास द्वारा इसे गर्व का विषय बताकर विजेता टीम को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

गौरतलब है कि भिलाई में वार्ड स्तर, जोन स्तर व निकाय स्तर पर छत्तीसगढ़ ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमे सभी आयु वर्ग के लोगो को शामिल कर खेल का आयोजन किया गया था। इस खेल को लेकर लोगो मे काफी उत्साह नजर आया था, तो वही पारंपरिक खेल को बढ़ावा भी मिला। निकाय स्तर के बाद जिला स्तर में भी निगम भिलाई की टीम दमखम के साथ मैदान में उतरी थी और संभाग स्तर के खेल के लिए चयन हुई थी। संभाग स्तर में विजय हासिल करने के बाद राज्य स्तरीय खेल में मौका मिला और वहां भी बालिका कबड्डी की टीम ने जीत हासिल की और अपना परचम लहराया। सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि 0-18 उम्र समूह में पूरे राज्य में बालिका कबड्डी भिलाई की टीम ने जीत हासिल की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950